दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

वर्ष: 3 । अंक: 219 | जयपुर, गुरुवार, 18 जुलाई, 2024 । आषाढ़, शुक्ल पक्ष- द्वादशी, विसं 2081 | पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

वतन पर जो फिदा होगा अमर वो नौजवां होगा....

झुंझुनूं के दोनों शहीदों को दी सैन्य सम्मान से अंतिम विदाई

■ परिजनों की आंखों में आसूं तो थे, लेकिन फक्र से था सीना चौड़ा

■ दोनों जवानों की देह तिरंगे में लिपटी पहुंची... लगे देशप्रेम के जयकारे

■ शहीद बिजेंद्र सिंह के बेटे ने अपने दादा की गोद में चढ़कर किए अपने पिता के अंतिम दर्शन

बेधड़क | जयपुर

जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले में शहीद राजस्थान के झुंझुनूं जिले के दोनों जवानों का सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार कर दिया गया। जैसे ही दोनों जवान तिरंगे में लिपटकर अपने घर पहुंचे, परिजनों की हिम्मत जवाब दे गई। इस दौरान गमगीन परिजनों की आंखों में आसूं तो थे लेकिन फक्र से सीना चौड़ा भी रहा। दोनों शहीदों के दर्शनों के लिए जनसैलाब उमड़ पड़ा।

शहीद बिजेंद्र सिंह दौराता झुंझुनूं के सिंघाना थाना इलाके के खुबा की ढाणी (डुमोली कलां) के रहने वाले थे और अजय सिंह भी इसी इलाके में भैसावता कलां के रहने वाले थे। बिजेंद्र सिंह की पार्थिव देह जब उनके घर पहुंची तो उन्हें देखकर मां बिलख पड़ी।

बिजेंद्र सिंह के बेटे ने अपने दादा की गोद में बैठकर पिता के अंतिम दर्शन किए। पत्नी अंकिता बार-बार पति के पार्थिव देह से लिपट-लिपटकर रो रही थीं। वहीं, शहीद अजय सिंह की पार्थिव देह देखकर पत्नी शालू कंवर बेसुध हो गईं। अजय सिंह के पिता ने आखिरी दर्शन करने के बाद आर्मी कैप पहनकर बेटे को सलामी दी।

शहीद अजय सिंह की पार्थिव देह देखकर पत्नी शालू कंवर हुई बेसुध, पिता ने आर्मी कैप पहनकर दी सलामी

तिरंगा यात्रा में महिलाओं ने किया सैल्यूट

अंतिम संस्कार से पहले शहीदों के सम्मान में झुंझुनूं जिले के मुरादपुर से उनके पैतृक गांवों तक तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस यात्रा में भारी भीड़ उमड़ी। यात्रा के दौरान रास्ते में पड़ने वाले गांव के लोग भी सड़क पर निकल आए। कई जगह महिलाओं ने एक साथ खड़े होकर शहीदों को सलामी दी। वहीं, कई लोगों ने जेसीबी पर चढ़कर शहीदों के पार्थिव देह पर फूल बरसाए।

भाई पिता के पूछने पर बिलख पड़ा

शहीद बिजेंद्र के पिता रामजी लाल बुधवार सुबह घर के पास स्थित खेत में काम कर रहे थे और उनके घर पर अंतिम संस्कार की तैयारी के लिए टेंट लगाया जा रहा था। रामजी लाल ने टेंट लगते हुए देखा तो उन्होंने लोगों से कारण पूछा, तब शहीद के छोटे भाई दशरथ सिंह खुद को रोक नहीं पाए और पिता से लिपटकर जोर-जोर से रो पड़े।

आतंकी हमले में हुए थे शहीद

डोडा जिले में डेसा जंगल के धारी गोटे उरारबागी में राष्ट्रीय राइफल्स और जम्मू कश्मीर पुलिस सोमवार से ही सर्च ऑपरेशन चला रही थी। तभी आतंकी फायरिंग करते हुए भागे। जवानों ने उनका पीछा किया। घना जंगल होने की वजह से आतंकी सुरक्षाबलों को चकमा देते रहे। सोमवार रात करीब 9 बजे फिर गोलीबारी हुई। इसमें बिजेंद्र सिंह और अजय सिंह समेत 5 जवान गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। बिजेंद्र और अजय सेना में राष्ट्रीय राइफल्स में तैनात थे।

लाडनूं में सुधर्मा सभा प्रवचन स्थल का शिलान्यास

मानवीय मूल्यों के विकास में संतों का महान योगदान: CM

बेधड़क | जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि किसी भी प्रदेश की समग्र उन्नति का आकलन केवल भौतिक विकास से ही नहीं, बल्कि वहां के नागरिकों में मानवीय मूल्यों और विचारों की समृद्धता से भी होता है। उन्होंने कहा कि भौतिकवाद से आध्यात्मवाद की ओर बढ़ने पर हमारे आचरण और विचार समाज के प्रति बदलते हैं और हम समाज, देश और राष्ट्र के लिए समर्पित भाव से कार्य कर पाते हैं। शर्मा बुधवार को डीडवाना-कुचामन जिले के लाडनूं स्थित जैन विश्व भारती में सुधर्मा सभा प्रवचन स्थल के शिलान्यास कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि मानवीय मूल्यों के उत्थान एवं विकास में संतों का महान योगदान रहा है। भारत भूमि ने ऐसे लोगों को जन्म दिया है, जो युग के साथ नहीं बहे, बल्कि युग को अपने बहाव के साथ ले गए। आचार्यश्री तुलसी ऐसे ही महापुरुष थे। उन्होंने अणुव्रत आंदोलन के जरिए मानव धर्म का व्यावहारिक स्वरूप लोगों के सामने रखा तथा समाज को अंधविश्वास, रूढ़िवादिता और पूर्वाग्रह से मुक्त किया।

शर्मा ने कहा कि आचार्य ने भौतिकवाद की ओर बढ़ते मानव को अध्यात्म की तरफ मोड़ा। समाज की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक चेतना का जागरण करना उनके जीवन का परम लक्ष्य था। मुख्यमंत्री ने कहा कि आचार्यश्री महाप्रज्ञ का देश के हिंदी साहित्यकारों में प्रमुख स्थान है। आचार्य महाश्रमण की सहजता एवं पवित्रता से उनमें महात्मा का दर्शन होता है। उनके सान्निध्य में जैन विश्व भारती विकास की ओर गतिमान है। आचार्य महाश्रमण का 2026 में एक वर्षीय योगक्षेम वर्ष के लिए जैन विश्व भारती पर प्रवास करना पूरे प्रदेश के लिए मंगलकारी होगा।

PM ने पुरातन संस्कृति का वैभव किया बहाल

शर्मा ने कहा कि भारत एक समय शिक्षा का महान केंद्र था। यहां नालंदा जैसे विश्वविद्यालयों में देश-विदेश के शिक्षार्थी शिक्षा प्राप्त करते थे। नरेन्द्र मोदी ने नालंदा विश्वविद्यालय को नया जीवन देकर पुरातन संस्कृति का वैभव बहाल करने का काम किया है। जैन विश्व भारती राजस्थान का उल्लेख करते हुए शर्मा ने कहा कि यह संस्थान अपने सात सूत्रीय लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए लगातार गतिशील है। शिक्षा, साहित्य, साधना, शोध, संस्कृति, सेवा जैसे उद्देश्यों की प्राप्ति व मानव कल्याण की भावना इस संस्था के मूल में है। उन्होंने कहा कि ध्यान, योग, जैन विद्या, राजस्थानी लिपि, प्राकृत भाषा आदि के अध्यापन के लिए समर्पित एकमात्र विश्वविद्यालय है।

जैन विश्व भारती मानव कल्याण के लिए समर्पित

शिलान्यास कार्यक्रम में केन्द्रीय कानून एवं न्याय राज्यमंत्री तथा जैन विश्व भारती संस्थान के कुलाधिपति अर्जुनराम मेघवाल ने अणुव्रत पर प्रकाश डाला और कहा कि इसकी स्थापना करने वाले आचार्यश्री तुलसी ने समाज की कुरीतियों को दूर करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। जैन विश्व भारती मानव कल्याण के लिए समर्पित संस्थान है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने मुनि जयकुमार का आशीर्वाद लिया और परिसर में वृक्षारोपण किया।

समारोह में ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री डॉ. मंजू बाघमार, राजस्व राज्यमंत्री विजय सिंह, राज्य किसान आयोग के अध्यक्ष सी. आर. चौधरी, विधायक लक्ष्मणराम कलरु, पूर्व सांसद डॉ. ज्योति मिर्धा, वरिष्ठ पत्रकार गुलाब कोठारी, जैन विश्व भारती के अध्यक्ष अमरचंद लुंकड़, जैन विश्व भारती संस्थान के कुलपति प्रो. बच्छराज दुगड़ सहित संत-महात्मा, जैन समाज के गणमान्य लोग एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

जरूरी खबर

जयपुर में रिकॉर्ड 9 लाख 92 हजार से ज्यादा वृक्षारोपण

जयपुर । मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान के तहत शिक्षा विभाग द्वारा जयपुर संभाग में एक ही दिन में 9 लाख 92 हजार 241 वृक्ष लगाए गए। संभागीय आयुक्त डॉ. आरुषि मलिक ने बताया कि अभियान के तहत जयपुर जिले में 50 हजार 104, जयपुर ग्रामीण जिले में 1 लाख 45 हजार, दौसा जिले में 3 लाख 45 हजार 243, अलवर जिले में 3 लाख 26 हजार 978, कोटपूतली-बहरोड़ जिले में 81 हजार 923, खैरथल-तिजारा जिले में 23 हजार 953 एवं दूदू जिले में 19 हजार 40 वृक्षारोपण किए गए हैं। -पेज 2 भी देखें

गढ़चिरौली में बड़ा एनकाउंटर, 12 नक्सली ढेर

गढ़चिरौली। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में 12 नक्सली ढेर कर दिए गए, वहीं दो जवान भी घायल हुए। दोपहर से शुरू हुई गोलीबारी शाम तक जारी रही। दोनों तरफ से करीब 6 घंटे से ज्यादा समय तक फायरिंग होती रही। एनकाउंटर खत्म होने के बाद तलाशी में 12 नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं। साथ ही बड़े पैमाने पर हथियार भी बरामद किए गए हैं। अब तक 3 एके47, 2 इंसास, 1 कार्बाइन, 1 एसएलआर सहित 7 ऑटोमोटिव हथियार बरामद किए गए हैं।

मोहर्रम पर ताजिए सुपर्द-ए-खाक

जयपुर। गुलाबी नगरी में हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में मोहर्रम का जुलूस ताजियों के रूप में बुधवार को जयपुर शहर में देर रात तक चलता रहा। जयपुर शहर में छोटे- बड़े लगभग 250 ताजिए ढोल ताशे की मातमी धुन पर दिन भर शहर में निकलते रहे, देर रात जलमहल के पास कर्बला मैदान में सुपुर्द ए खाक किए गए। जयपुर राज परिवार की ओर से दिया गया सोने चांदी का ताजिया, घाट किट बाजार स्थित लूट कर लाया गया सोने-चांदी का ताजिया एवं जारी का ताजिया को बिना दफनाये ताजियादार वापस अपने निर्धारित स्थान पर देर रात वापस ले आए। मोहर्रम के अवसर पर रंग-बिरंगे कलात्मक ताजियों के जुलूस देखने शहर उमड़ा पडा। प्रशासन ने चांदपोल गेट एवं घाट गेट बाजार से कर्बला मैदान तक नो ट्रैफिक जॉन रखा, परकोटा चारदीवारी में भारी वाहनों का पूर्णतया प्रवेश निषेध रहा।

-फोटो राजेश कुमावत

जल जीवन मिशन घोटाले में सीबीआई की एंट्री

CBI ने आरोपियों को बुलाया दिल्ली

■ जेल में बंद आरोपियों से भी होगी पूछताछ

बेधड़क | जयपुर

पूर्ववर्ती सरकार के दौरान हुए 900 करोड़ रुपए के कथित घोटाले की जांच में अब सीबीआई भी एसीबी व ईडी के कार्रवाई के बाद एक्टिव हो गई है। जल जीवन मिशन में हुए घोटाले को लेकर मई माह में एफआईआर दर्ज करने के बाद अब सीबीआई ने आरोपियों को समन भेजकर गुरुवार को दिल्ली बुलाया है। सीबीआई जेल में बंद आरोपियों से भी पूछताछ करेगी।

दरअसल, जयपुर एसीबी ने जेजेएम से जुड़े हुए कुछ अधिकारियों और ठेकेदारों के खिलाफ 8 अगस्त 2023 को एक एफआईआर दर्ज की थी। एसीबी को 6 अगस्त को सूचना मिली थी कि जलदाय विभाग (पीएचईडी) में टेंडर प्राप्त करने, बिलों के भुगतान और कार्य में अनियमित्ताओं के लिए अवैध संरक्षण प्राप्त करने के लिए ठेकेदार पदम जैन ने अधिकारियों को रिश्वत देने लिए होटल में बुलाया हैं। 7 अगस्त को एसीबी ने ट्रैप की कार्रवाई करते हुए 2.20 लाख रुपए की राशि लेते हुए अधिकारियों को पकड़ा था।

2.50 करोड़ नकद, 1 किलो सोने की ईंट और प्रॉपर्टी के कागजात जब्त कर चुकी ईडी

सितंबर 2023 में ईडी ने जेजेएम घोटाले से जुड़े कई ठेकेदारों और दलालों के ठिकानों पर छापा मारा था। इनमें जयपुर और अलवर सहित कुल 9 ठिकानों पर एक साथ कार्रवाई की गई। महेश मित्तल, प्रॉपर्टी कारोबारी संजय बड़ाया, कल्याण सिंह कविया, एक्सईएन विशाल सक्सेना, मायालाल सैनी, पदम चंद जैन, तहसीलदार सुरेश शर्मा और अमिताभ कौशिक के यहां सर्च किया गया। तलाशी के दौरान 2.50 करोड़ नकद, 1 किलो सोने की ईंट और करोड़ों की प्रॉपर्टी के कागजात बरामद हुए थे।

डॉ. महेश जोशी सहित कई अफसरों की मुश्किलें बढ़ेगी

सीबीआई की ओर से दर्ज की गई एफआईआर में फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र से टेंडर हासिल करने के आरोप हैं। हालांकि इस केस में किसी नेता और अफसर का नाम नहीं लिखा है। अलबत्ता, पूर्व जलदाय मंत्री डॉ. महेश जोशी, जलदाय विभाग के तत्कालीन एसीएस सुबोध अग्रवाल सहित अन्य अफसरों और मंत्री के नजदीकी लोगों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। पूर्व मंत्री महेश जोशी और आईएएस सुबोध अग्रवाल सहित कई ठेकेदारों और दलालों के आवास पर ईडी पूर्व में छापा मार चुकी है। अब सीबीआई के अफसर अपने स्तर पर जांच करेंगे।

उप चुनाव पर नजर

5 विधानसभा सीटों पर उप चुनाव की तैयारी... बनाई रणनीति

- दौसा, खींवसर, देवली-उनियारा, चौरासी और झुंझुनूं सीट पर होगा चुनाव
- सीएम का जिलों का दौरा, प्रदेशाध्यक्ष जोशी कार्यकर्ताओं से ले रहे फीडबैक
- भाजपा सरकार व संगठन का पूरा फोकस उपचुनाव पर, सीटों के प्रभारी सक्रिय

बेधड़क। जयपुर

प्रदेश में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव के बाद खाली हुई विधानसभा की 5 सीटों पर उपचुनाव की सुगबुगाहट शुरू हो चुकी है। इन सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर कांग्रेस व भाजपा दोनों ही दलों ने अपनी अपनी तैयारियां शुरु कर दी है।

भाजपा इन सीटों पर जीत के लिए सत्ता व संगठन के पदाधिकारियों को जिम्मा सौंप चुकी है। इन सीटों के लिए भाजपा ने हाल ही में प्रभारियों की नियुक्ति भी कर दी है। इधर, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी जिलों के दौरे कर रहे हैं। सीएम ने बुधवार को लाडनूं दौरा करने के साथ ही उप चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। प्रदेश कार्य समिति की बैठक में भी उप चुनावों को जीतने की रणनीति पर चर्चा हुई थी।

इन सीटों पर होने है उपचुनाव

प्रदेश में दौसा, खींवसर, देवली-उनियारा, चौरासी और झुंझुनूं विधानसभा सीट पर उप चुनाव होना है। बीजेपी की प्राथमिकता में दौसा, खींवसर और देवली-उनियारा सीट है। वहीं, चौरासी और झुंझुनूं सीट जीतने के लिए भी बीजेपी ने रणनीति बनाई है। ये पांचों सीटें फिलहाल बीजेपी के पास नहीं है। इनमें से तीन सीट कांग्रेस और एक-एक सीट आरएलपी और बीएपी ने जीती थी। वहीं, विधानसभा सत्र के बाद इन प्रभारियों के उप चुनाव वाली सीटों पर दौरे होंगे। प्रभारी इन सीटों पर जाकर वहां जिला पदाधिकारियों, स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं से वन टू वन चर्चा करेंगे। वहीं, जिताऊ प्रत्याशी की तलाश करेंगे। बीजेपी ने मंत्री पद से इस्तीफा दे चुके किरोड़ीलाल मीणा और विधानसभा चुनाव हार चुके राजेंद्र राठौड़ को इन सीटों की जिम्मेदारी दी हैं।

CM का नागौर का दौरा

सीएम भजनलाल शर्मा बुधवार को नागौर जिले के दौरे पर रहे। उन्होंने नागौर के लाडनूं में जैन विश्व भारती के सुधर्मा सभा प्रवचन स्थल के शिलान्यास कार्यक्रम में शिरकत की। सीएम के नागौर के दौरे को भी उप चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। वहीं माना जा रहा है कि आगे भी सीएम के उप चुनाव वाले जिलों में अधिक दौरे होंगे। इन सीटों पर सीएम के साथ अन्य बड़े नेताओं को भी प्रचार के लिए उतारने की तैयारी है।

प्रदेशाध्यक्ष जोशी ले रहे फीडबैक

हाल ही में बीजेपी प्रदेश कार्य समिति की बैठक के बाद अब संगठन का पूरा फोकस 5 विधानसभा सीटों पर होने वाले उप चुनाव पर है। इन सीटों पर होने वाले चुनाव में सत्ता और संगठन दोनों की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। पार्टी इन सीटों पर जीत दर्ज कर अपनी साख बरकरार रखना चाहेगी। प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी जिलों में बैठकें ले रहे हैं। वन टू वन कार्यकर्ताओं से मिल रहे हैं। -पेज 2 भी देखें

जरूरी खबर

मंत्री जोगाराम पटेल ने जोधपुर में की जनसुनवाई

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं न्याय मंत्री जोगाराम पटेल ने बुधवार को जोधपुर के सर्किट हाउस में जनसुनवाई कर आमजन की परिवेदनाओं को सुनकर संबंधित अधिकारियों को त्वरित निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिलेभर से आए फरियादियों की परिवेदनाओं को गंभीरता से सुनकर मौके पर ही संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी भी माध्यम से प्राप्त आमजन की परिवेदनाओं को संवेदनशीलता के साथ त्वरित निस्तारित करें। इस दौरान उन्होंने आमजन की समस्याओं को तसल्ली से सुना और विश्वास दिलाया कि समस्याओं का यथोचित समाधान प्राथमिकता से किया जाएगा।

डोटासरा-जूली ने शहीदों को अर्पित की श्रद्धांजलि

जयपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा एवं विधानसभा में विपक्ष के नेता टीकाराम जूली ने बुधवार को सुबह जयपुर हवाई अड्डे पर जम्मू कश्मीर में सर्च ऑपरेशन के दौरान आतंकवादियों से हुई मुठभेड़ में शहीद हुए झुंझुनूं जिले के अजय सिंह नरूका एवं बिजेंद्र सिंह दौराता की पार्थिक देह पर पुष्प चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। महासचिव एवं प्रवक्ता स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि डोटासरा के साथ विधायक भगवाना राम सैनी, सुरेश गुर्जर, प्रदेश कांग्रेस महासचिव पुष्पेंद्र भारद्वाज, प्रवक्ता यशवर्धन सिंह, सचिव छोटूराम मीना सहित कांग्रेसजनों ने शहीद सैनिकों को पुष्पांजलि अर्पित की।

कांग्रेस ने हार के डर से टुकड़ों में कराए पंचायत चुनाव

जयपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने हार की डर से प्रदेश में टुकड़ों में पंचायत चुनाव कराए, लेकिन इसके बाद भी प्रदेश की जनता ने कांग्रेस को पूरी तरह से नकारा। केंद्रीय मंत्री ने बुधवार को सीकर में कहा कि देश में अलग-अलग समय में होने वाले चुनावों के मद्देनजर लगने वाली आचार संहिता की वजह से विकास कार्यों में बाधा आती है। लिहाजा भाजपा देश में एक साथ चुनाव कराने के संकल्प को लेकर आगे बढ़ रही है, क्योंकि हमें अपने नेतृत्व, कार्यकर्ताओं और अपनी कार्यशैली पर पूर्ण विश्वास है।

सवाई माधोपुर सर्किट हाउस में हंसी-ठिठोली के बीच हुई जनसुनवाई

डॉ. किरोड़ी से मिलने सर्किट हाउस पहुंचे सांसद हरीश मीणा

बेधड़क | जयपुर/ सवाईमाधोपुर

■ राजनीति के दो दिग्गजों की मुलाकात... बोले-आमजन के काम और क्षेत्र के विकास के लिए मिलकर करेंगे काम

आज सवाई माधोपुर के सर्किट हाउस में डॉ. किरोड़ीलाल मीणा के जनसुनवाई सत्र के दौरान कांग्रेस सांसद हरीश मीणा उनसे मिलने पहुंचे। आपसी मुलाकात के दौरान दोनों के बीच खुलकर हंसी-ठिठोली का माहौल बना।

दोनों नेताओं ने वहां मौजूद परिवादियों की समस्याओं को मिलकर सुलझाने की बात कही। कृषि मंत्री एवं सवाई माधोपुर विधायक डॉ. किरोड़ीलाल मीणा पिछले तीन दिनों से सवाई माधोपुर में हैं। आज सर्किट हाउस में जनसुनवाई के दौरान टोंक-सवाई माधोपुर लोकसभा सीट के कांग्रेस सांसद हरीश मीणा उनसे मिलने सर्किट हाउस पहुंचे। इस दौरान डॉ. किरोड़ी ने हरीश मीणा का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। इस दौरान दोनों विपक्षी पार्टी के नेताओं के बीच लाजवाब केमेस्ट्री दिखाई दी।

सांसद हरीश मीणा ने कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा की जनसुनवाई में आए परिवादियों से उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली और कहा कि हम दोनों आपके लिए मिलकर काम करेंगे और आमजन के काम एवं क्षेत्र के विकास के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मिलकर लोगों की समस्याओं को उनके सामने रखकर समस्याओं के समाधान का प्रयास करेंगे।

आपसी मुलाकात को लेकर न तो हरीश मीना ने कोई बयान दिया और ना ही कृषि मंत्री डॉक्टर किरोड़ी लाल मीणा ने कोई बयान दिया। दोनों नेताओं की इस मुलाकात के कई मायने निकाले जा रहे हैं। दोनों नेताओं की यह मुलाकात क्या नया गुल खिलाएगी, या फिर ये मुलाकात महज एक औपचारिक मुलाकात थी। इस बारे में कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी।

मुलाकात के दौरान चली हंसी-ठिठोली

आपसी मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने आपस में हंसी-ठिठोली भी खूब की। इस दौरान डॉ. किरोड़ी ने कहा कि हरीश मीणा उनसे बड़े हैं तो हरीश मीणा ने कहा कि नहीं आप मुझसे बड़े हैं। दोनों नेताओं ने जनसुनवाई के दौरान गाड़ियां लुहारों की समस्याओं को सुना और हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। सांसद कुछ देर बातचीत करने के बाद अपने समर्थकों के साथ सर्किट हाउस से निकल गए। वहीं किरोड़ी भी जनसुनवाई के बाद जयपुर रवाना हो गए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने की सीएम भजन लाल से मुलाकात

जोशी ने संभाली उपचुनाव की रणनीति की कमान

बेधड़क । जयपुर

■ तारीखों की घोषणा से पहले क्षेत्र की नब्ज टटोलने में जुटे

प्रदेश में सरकार का बजट पेश होने के साथ ही बीजेपी ने 5 सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर अब अपनी तैयारी तेज कर दी है। आगामी रणनीति और संगठनात्मक मुद्दों को लेकर बुधवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान सीपी जोशी ने बजट में प्रदेश और चित्तौड़गढ़ लोकसभा क्षेत्र को दी गई सौगातों के लिए आभार जताया। दोनों के बीच उपचुनाव को लेकर लंबी चर्चा हुई। इसके बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने दौसा और टोंक जिले के दौरे पर रवाना हुए। उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा भी उनके साथ थे। दौसा जाते समय विभिन्न स्थानों पर भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इस दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने संगठनात्मक बैठकों में जिले के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से संवाद किया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। प्रदेश जोशी ने कहा कि भाजपा सरकार में विकास के अभूतपूर्व काम हुए है। प्रत्येक कार्यकर्ता अपने अपने बूथ के हर घर पर जाकर केंद्र व राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दें और इन योजनाओं का लाभ दिलाने का काम करें। इस दौरान दौसा में उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, मंत्री किरोड़ी लाल मीणा, वरिष्ठ नेता राजेंद्र राठौड़, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रभुलाल सैनी, प्रदेश महामंत्री व देवनारायण बोर्ड के चेयरमैन ओमप्रकाश भड़ाना, प्रदेश मंत्री भूपेंद्र सैनी, जिलाध्यक्ष प्रभुदयाल शर्मा आदि मौजूद रहे।

कार्यकर्ताओं से ले रहे हैं फीडबैक

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी लगातार प्रदेश के दौरे पर है। 15 जुलाई को सीपी जोशी नागौर पहुंचे थे। उसके बाद 16 जुलाई को झुंझुनूं तो 17 जून यानी बुधवार को दौसा और टोंक के दौरे पर रहे। इस दौरान जोशी पार्टी पदाधिकारियों से मिले। छोटे-बड़े नेताओं से फीडबैक लिया। क्षेत्र के चुनावी माहौल को जाना। इतना ही नहीं, 6 महीने की सरकार को लेकर क्षेत्र में क्या फीडबैक है, उसको लेकर भी बारीकी से चर्चा की। इसी दौरान संगठनात्मक बैठकों में भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से संवाद कर आगामी कार्यक्रमों के लिए रणनीति बनाई।

सीपी जोशी के आश्वासन के बाद सरपंचों का आंदोलन स्थगित

अपनी 15 सूत्री मांगों के साथ सरपंच संघ राजस्थान के बैनर तले चलाए जा रहे सरपंचों के आंदोलन को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी के आश्वासन के बाद आगे बढ़ा दिया गया है। संघ का कहना है कि यदि अब भी मांगें नहीं मानी गईं तो 24 जुलाई को विधानसभा का घेराव किया जाएगा। सरपंच संघ राजस्थान के बैनर तले अपनी 15 सूत्री मांगों को लेकर चल रहे सरपंचों के आंदोलन के तहत 18 जुलाई को विधानसभा का घेराव प्रस्तावित था। सरपंच संघ राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष बंशीधर गढ़वाल और मुख्य प्रवक्ता रफीक पठान ने बताया कि सरपंचों की मांगों को लेकर 16 जुलाई को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ वार्ता होना तय था, मगर अचानक उनके पिताजी का स्वास्थ्य खराब होने के कारण यह मीटिंग स्थगित कर दी गई और मुख्यमंत्री ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी व महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी को सरपंचों के साथ वार्ता के लिए अधिकृत किया। इसके बाद जयपुर में सरपंच संघ राजस्थान के प्रतिनिधिमंडल की वार्ता हुई, जिसमें दोनों जिम्मेदार पदाधिकारियों प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी व महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी ने सरपंच संघ की मांगों को ध्यानपूर्वक सुना और समस्या का समाधान करवाने का आश्वासन दिया। सरपंच संघ के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री के साथ वार्ता कराने की मांग रखी, इस पर दोनों ने 20 जुलाई को मुख्यमंत्री के साथ वार्ता कराने का आश्वासन दिया। इसके बाद संघ के सभी उपस्थित पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री से वार्ता होने तक आंदोलन को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया।

राज्यपाल ने गहलोत की पूछी कुशलक्षेम

बेधड़क | जयपुर

राज्यपाल कलराज मिश्र ने बुधवार को पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के राजकीय निवास स्थान पहुंचकर उनकी कुशलक्षेम पूछी। मिश्र ने इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। उन्होंने ईश्वर से उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

जयपुर संभाग में लगाए करीब 10 लाख पौधे

बेधड़क | जयपुर

मुख्यमंत्री पौधरोपण महाअभियान के तहत शिक्षा विभाग द्वारा जयपुर संभाग में बुधवार को सुबह छह से नौ बजे तक करीब 10 लाख पौधे लगाए गए।

संभागीय आयुक्त डॉ. आरुषि मलिक ने बताया कि अभियान के तहत बुधवार को नौ लाख 92 हजार 241 पौधे लगाए गए। इसमें जयपुर जिले में 50 हजार 104, जयपुर ग्रामीण जिले में 1 लाख 45 हजार, दौसा जिले में 3 लाख 45 हजार 243, अलवर जिले में 3 लाख 26 हजार 978, कोटपूतली-बहरोड़ जिले में 81 हजार 923, खैरथल-तिजारा जिले में 23 हजार 953 एवं दूदू जिले में 19 हजार 40 पौधे लगाए गए हैं। संभागीय आयुक्त डॉ. आरुषि मलिक ने बताया कि राज्य में पेड़ों की कमी एवं बढ़ते तापमान को देखते हुए मानसून के मौसम में राज्य सरकार द्वारा सघन पौधरोपण किया जा रहा है। पौधरोपण अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए राजकीय विद्यालयों में अधिकाधिक पेड़ लगाने के लिए जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया था। अभियान के तहत वन विभाग को आवश्यकतानुसार पौधे उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए गए थे। उन्होंने बताया कि पौधरोपण के बाद संबंधित अधिकारियों को ही पौधे की सुरक्षा एवं पर्याप्त जलापूर्ति की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए भी निर्देशित किया गया है।

कोटा दौरे पर आए लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कहा...

‘मकान पर एक करोड़, लेकिन पेड़ लगाने पर खर्च नहीं कर सकते 10 हजार’

बेधड़क | जयपुर/कोटा

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला बुधवार को कोटा दौरे पर पहुंचे। यहां उन्होंने ‘एक पेड़ मां के नाम’ अभियान के तहत वल्लभबाड़ी में एक आयोजन में शिरकत की।

उन्होंने पौधरोपण के लिए लोगों को प्रेरित करते हुए कहा कि जब लोगों को पौधरोपण के लिए कहते हैं, तब वह ट्री गार्ड या अन्य सामग्री की मांग कर देते हैं, जबकि व्यक्ति एक करोड़ का मकान बना लेगा, लेकिन पेड़ लगाने के लिए 10,000 हजार का खर्चा नहीं करेगा। वह यह नहीं सोचता कि इससे उसके घर के सामने का हिस्सा हरा-भरा रहेगा। इसके लिए कोटा में जन आंदोलन करना पड़ेगा। यह हमारी जलवायु के लिए काफी जरूरी है। लोकसभा स्पीकर बिरला ने कहा कि कोटा के लोग सामाजिक, राजनीतिक रूप से जागृत हैं। अब पर्यावरण के प्रति भी जागरूकता लेकर आना है। कोटा और बूंदी जिले में अगले वर्ष 11 लाख पौधे लगाकर हरा भरा करेंगे। यह हमारा संकल्प है। उन्होंने कहा कि वह बीते दिनों मध्य प्रदेश के इंदौर गए थे। वहां की जनता, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने मिलकर 51 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य तय किया है। वहां भी पौधरोपण कार्यक्रम में भाग लिया, जिसमें 1 लाख पौधे लगाने का संकल्प लोगों ने लिया था।

पेड़ लगाना ही नहीं... संरक्षण करना भी जरूरी

बिरला ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के लिए हम सबको गंभीर होना पड़ेगा। यह हमारी वर्तमान पीढ़ी को ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी को भी नुकसान पहुंचाएगी। आज हम सेवा करेंगे तो आने वाली पीढ़ी का जीवन बेहतर हो सकेगा। आज लगाए जाने वाले पौधे 5 या 10 साल बाद कोटा शहर को हरा-भरा कर देंगे। हमें एक पेड़ लगाना ही नहीं है, उसका पूरा संरक्षण करना है और उसे पालना है। प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में संकल्प लें कि एक पेड़ अपनी मां के नाम लगाना है, जिस तरह से मां अपने बच्चों का लालन-पालन करती है। उसी तरह से धरती मां के लिए हम उसे पौधे की पूरी सेवा करेंगे।

लोगों के मानस बदलने से आएगा परिवर्तन

स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को रोकने के लिए हमारे जीवन शैली को पर्यावरण के अनुरूप बनाना होगा। हर व्यक्ति को संकल्प लेना होगा कि ऐसा कोई कृत्य नहीं करें जिससे कि पर्यावरण या जलवायु पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े। हमारी जीवन शैली पर्यावरण के अनुकूल होनी चाहिए। सरकार के स्तर और सांकेतिक कार्यक्रम से बदलाव नहीं आएगा। इसके लिए जन-जन के मानस व मस्तिष्क में जलवायु संरक्षण का विचार आना जरूरी है। कार्यक्रम के दौरान महापौर राजीव अग्रवाल, भाजपा नेता पंकज मेहता, जिला अध्यक्ष राकेश जैन, पूर्व जिला अध्यक्ष कृष्ण कुमार सोनी रामबाबू और मयंक सेठी सहित बड़ी संख्या में नेता मौजूद थे।

जरूरी खबर

ढेहर का बालाजी से 21 को चलेगी स्पेशल ट्रेन

जयपुर। अतिरिक्त यात्री संख्या को ध्यान में रखते रेलवे की ओर से यात्रियों की सुविधा के लिए ढेहर का बालाजी-हिसार (एक तरफा) 1 ट्रिप स्पेशल ट्रेन का संचालन किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण ने बताया कि गाड़ी संख्या 09703, ढेहर का बालाजी-हिसार स्पेशल (एक तरफा) ट्रेन 21 जुलाई को ढेहर का बालाजी से 18:10 बजे रवाना होकर मध्यरात्रि 2:05 बजे हिसार पहुंचेगी। यह ट्रेन मार्ग में नींदड़ बैनाड़, चौमूं सामोद, गोविंदगढ़ मलिकपुर, रींगस, श्रीमाधोपुर, कांवट, नीमकाथाना, मांवडा, डाबला, निजामपुर, नारनौल, अटेली, कुंड, रेवाड़ी, कोसली, झाड़ली, चरखी दादरी, भिवानी, भवानीखेड़ा, हांसी व सतरोड स्टेशनों पर ठहराव करेगी।

पैर गाड़ी के नीचे आना बताकर मोबाइल लूटा

जयपुर। राजधानी में खट-खट गैंग लगातार एक्टिव है। कुछ दिन पहले ही इस गैंग के तीन बदमाश पकड़े गए थे। अब एक नया मामला सामने आया है। लालकोठी थाने में खट-खट गैंग के खिलाफ शिकायत दर्ज हुई है। शिकायत में पीड़ित शंकर शर्मा ने बताया कि वह रामनिवास बाग चौराहे से घर की ओर जा रहा था। इस दौरान रामनिवास चौराहे की लाल बत्ती पर रुका हुआ था। एक बदमाश ने गाड़ी का कांच खट खटाया। कहा-आप ने मेरा पैर दबा दिया है। इसी दौरान शंकर उससे बात करने लगा। उसी समय ड्राइवर सीट पर एक दूसरा व्यक्ति कांच खटखटाने लगा। जैसे ही शंकर ने उस विंडो को नीचे किया पहले वाले बदमाश ने कार में हाथ डाला और मोबाइल चोरी कर लिया। महेश नगर थाना पुलिस ने दो दिन पहले खट-खट गैंग के तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया था।

हाई कोर्ट: जस्टिस पंकज भंडारी और प्रवीर भटनागर की खंडपीठ ने खारिज की जनहित याचिका

SC/ST के खिलाफ नहीं लैंड रेवेन्यू एक्ट में संशोधन

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान हाई कोर्ट ने लैंड रेवेन्यू एक्ट 1956 की धारा 90ए(8) को एससी-एसटी के हितों के खिलाफ नहीं माना है। जस्टिस पंकज भंडारी और जस्टिस प्रवीर भटनागर की खंडपीठ ने यह आदेश नवीन कुमार मीणा की जनहित याचिका को खारिज करते हुए दिए। जनहित याचिका में कहा गया था कि लैंड रेवेन्यू एक्ट की धारा 90ए(8) के तहत यह प्रावधान किया गया है कि शहरी क्षेत्र में स्थित कृषि भूमि का गैर कृषि के तौर पर उपयोग करने पर राज्य सरकार भूमि को अपने अधीन ले सकती है। वहीं, संबंधित जमीन के राज्य सरकार में निहित होने के बाद वह उसे किसी को भी आवंटित कर सकती है। यह धारा काश्तकारी अधिनियम की धारा 42 के विपरीत है, क्योंकि काश्तकारी अधिनियम की धारा 42 कहती है कि एससी-एसटी के व्यक्ति की कृषि भूमि को एससी-एसटी के व्यक्ति को ही बेचा जा सकता है। अगर किसी अन्य व्यक्ति को बेचा जाता है तो यह भूमि पुन एससी-एसटी के व्यक्ति को ही मिलेगी।

धोखाधड़ी को रोकने के लिए ही किया संशोधन

राज्य सरकार की ओर से पैरवी करते हुए अतिरिक्त महाधिवक्ता विज्ञान शाह ने कहा कि एक्ट में संशोधन के पीछे सरकार की मंशा है कि कृषि भूमि का गैर कृषि कार्य में उपयोग से रोका जाए। दरअसल, शहरी क्षेत्र में अमूमन यह शिकायतें मिलती है कि कृषि भूमि का बिना रूपानंतरण किए गैर कृषि कार्य में उपयोग लिया जाता है। भूमाफियाओं द्वारा उस पर प्लॉट काट दिए जाते हैं। वहीं, इन प्लॉटों के बेचान के बाद आमजन को पट्टा नहीं मिल पाता है। इसलिए एक्ट की धारा 90ए(8) के तहत यह प्रावधान किया गया है कि नगरीय क्षेत्र में स्थित कृषि भूमि का गैर कृषि के तौर पर उपयोग करने पर राज्य सरकार भूमि को अपने अधीन ले सकती है। वहीं, संबंधित जमीन के राज्य सरकार में निहित होने के बाद वह उसे किसी भी को आवंटित कर सकती है।

दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद दिया फैसला

उन्होंने बताया कि काश्तकारी अधिनियम की धारा 42 के तहत संरक्षण का लाभ उस स्थिति में ही मिलता है, जब कृषि भूमि को बेचा गया हो। जबकि धारा 90ए(8) वहां लागू होती है, जहां शहरी क्षेत्र में स्थित कृषि भूमि को बिना परिवर्तित कराए गैर कृषि कार्य के उपयोग में लाया जाए। इसके अलावा इसमें नियमानुसार प्रभावित व्यक्ति को सुनवाई का मौका देकर कार्रवाई करने का प्रावधान है। ऐसे में यह धारा 42 के खिलाफ नहीं है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने जनहित याचिका को खारिज कर दिया है।

जयपुर एयरपोर्ट पर 163 यात्री परेशान, स्पाइसजेट पर कार्रवाई की मांग

दुबई जाने वाली फ्लाइट ऐन वक्त पर कैंसिल, ...यात्रियों का हंगामा

बेधड़क | जयपुर

राजधानी से दुबई जाने वाली स्पाइसजेट एयरलाइंस की फ्लाइट बुधवार सुबह आखिरी वक्त पर रद्द कर देने से नाराज यात्रियों ने एयरपोर्ट पर हंगामा कर दिया। नाराज यात्रियों ने स्पाइसजेट प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। वहीं, स्पाइसजेट प्रशासन ने टेक्निकल कारण का हवाला देकर आखिरी वक्त पर फ्लाइट रद्द होने की बात कही।

दुबई जाने वाले राजूराम जाट ने बताया- 163 यात्रियों को आज सुबह 9:20 बजे स्पाइसजेट एयरलाइन से दुबई के लिए उड़ान भरनी थी। हम सब अपने निर्धारित वक्त पर एयरपोर्ट पहुंच भी गए। आखिरी वक्त पर हमें बिना बताए फ्लाइट को कैंसिल कर दिया गया। स्पाइसजेट प्रशासन सही जवाब नहीं दे पाया। इसके बाद हमने टर्मिनल मैनेजर से भी बात करने की कोशिश की। उनका कोई जवाब नहीं आया। वहीं, यात्रियों के विरोध के बाद स्पाइसजेट एयरलाइंस ने टेक्निकल कारण बताकर फ्लाइट रद्द होने की बात कही। जब हमारी टीम ने उनसे इस पूरे मामले पर उनका पक्ष जानने की कोशिश की। उन्होंने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया।

दुबई पहुंचना था नौकरी जॉइन करने

हम सब लोग दूर-दराज से दुबई फ्लाइट के लिए ही जयपुर पहुंचे थे। मुझे खुद आज दुबई पहुंचना बेहद जरूरी था। क्योंकि मैं वहां नौकरी जॉइन करने वाला था। मैं टैक्सी किराए पर लेकर जयपुर पहुंचा था। यहां आने पर अब फ्लाइट कैंसिल होने की जानकारी मिली है। इससे मुझे बड़ा नुकसान हो गया है। राजूराम ने कहा कि एयरपोर्ट प्रशासन को अगर फ्लाइट कैंसिल करनी थी तो हमें इसकी समय रहते जानकारी देनी चाहिए थी। उन्होंने ऐसा नहीं किया। न ही हम लोगों को एयरपोर्ट पर किसी तरह की सुविधा दी गई। इसकी वजह से आज दूर दराज से आए यात्रियों को परेशान होना पड़ रहा है।

मेरा जरूरी काम नहीं हो पाएगा पूरा

दुबई जाने वाले यात्री अमित ने बताया कि स्पाइसजेट प्रशासन ने बहुत बड़ी लापरवाही की है। मुझे बेहद जरूरी काम से दुबई जाना था। बिना बताए आखिरी वक्त पर मेरी फ्लाइट को कैंसिल कर दिया गया। ऐसे में अब मेरे पास दुबई जाने के लिए कोई और व्यवस्था तक नहीं है। इससे मेरा जरूरी काम पूरा नहीं हो पाएगा। ऐसे में सरकार को इस तरह की लापरवाही करने वाली एयरलाइन कंपनियों के खिलाफ भी कार्रवाई करनी चाहिए। ताकि वह भविष्य में आम जनता के साथ इस तरह का भद्दा मजाक नहीं करें।

राज्यपाल को सौंपा 39 सूत्रीय ज्ञापन

गोशालाओं की गोमूत्र और गाय के गोबर से बनाएं स्वावलंबी

बेधड़क | जयपुर

अखिल भारतीय गोशाला सहयोग परिषद के अंतरराष्ट्रीय संयोजक डॉ. अतुल गुप्ता ने बुधवार को राज्यपाल कलराज मिश्र से मुलाकात कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से गो माता को राष्ट्र माता बनाएं जाने का आह्वान किया। साथ ही सभी गोशालाओं की गोमूत्र व गाय के गोबर के माध्यम से स्वावलंबी व आर्थिक सशक्तीकरण करने की दिशा में कार्य करने की मांगों को लेकर 39 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा।

उन्होंने बताया कि गाय भारत की व हम सभी की आत्मा है। भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में गौमाता का विशेष योगदान रहेगा। उन्होंने बताया कि राज्य में अधिकृत वित्त पोषित गौशालाओं की संख्या लगभग 3,500 है, जिनके पास कुल गौवंश लगभग 13लाख के आस पास है। उसका गोबर एक दिन में प्रति गाय से लगभग 10 किलोग्राम निकलता है, जो एक दिन में 1 करोड़ 30 लाख किग्रा होता है।

इस गोबर की मात्रा का यदि उच्च गुणवत्ता का खाद तैयार किया जाए और इसको 10/- प्रति किग्रा की दर से बेचा जाए तो राज्य सरकार को 47अरब 45करोड़ रुपए की राजस्व की प्राप्ति होगी।

अतुल गुप्ता ने बताया कि गोशालाओं की गोमूत्र व गाय के गोबर के माध्यम से स्वावलंबी व आर्थिक सशक्तिकरण करने की दिशा में आगामी समय में अंतरराष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसमें सभी शंकराचार्य, प्रमुख गो भक्त, राज्य नायक, राष्ट्र नायक आदि मौजूद रहेंगे।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
आपके दिल की बात अब आपके अखबार के माध्यम से...
अख़बार में प्रकाशन के लिए ख़बर, विज्ञप्ति, कार्यक्रम की सूचना आलेख एवं अपनी मौलिक रचनाएं
news@sachbedhadak.com
पर E- Mail करें ।

गोविंददेव जी मंदिर में हुआ देवशयनी एकादशी पूजन

भगवान शालिग्राम को चांदी की खाट पर पौढ़ाया

बेधड़क | जयपुर

आषाढ़ शुक्ल एकादशी देवशयनी एकादशी के रूप में मनाई गई। इस दौरान मंदिरों में विशेष आयोजन और उत्सव हुए। गोविंद देवजी मंदिर में शाम को ग्वाल झांकी के बाद पौने 5 से साढ़े 5 बजे तक देवशयनी पूजन हुआ। इस दौरान ठाकुरजी के दर्शन पट बंद रहे। मंदिर के प्रवक्ता मानस गोस्वामी ने बताया कि शालिग्राम भगवान को चांदी के रथ में विराजमान कर दक्षिण-पश्चिम कोने स्थित तुलसा मंच ले जाया गया। मंदिर महंत अंजन कुमार गोस्वामी पंचामृत से शालिग्राम जी का अभिषेक किया। पूजा, भोग, आरती के बाद मंदिर महंत अंजन कुमार गोस्वामी ने शालिग्राम जी और तुलसी महारानी की चार परिक्रमा की। इसके बाद शालिग्राम भगवान को चांदी की खाट पर शयन कराकर पुनः मंदिर की परिक्रमा कर गर्भगृह में शयन का भाव कराया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं को संध्या झांकी के दर्शन हुए। इसके बाद एकादशी पर ठाकुर जी को बिजौना दाल, पंच मेवा और फलों का भोग अर्पित हुआ। इससे पहले सुबह मंगला झांकी के बाद पंचामृत से ठाकुरजी का अभिषेक कर लाल रंग की नवीन नटवर वेशभूषा धारण कराकर गोचारण लीला के आभूषण पहनाए गए। ठाकुरजी को 1100 किलो फलों का भोग अर्पित किया गया।

गजानन के दरबार में खुशहाली की कामना

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने बुधवार को मोती डूंगरी गणेश मंदिर पहुंचकर भगवान गजानन के दर्शन किए। उन्होंने भगवान गणेश की विधिवत पूजा-अर्चना की।इस दौरान उन्होंने प्रदेशवासियों की खुशहाली की कामना की।

मुनि प्रणम्य सागर का मानसरोवर में मंगल प्रवेश 22 को

चातुर्मास के दौरान जैन नगरी जयपुर में बहेगी धर्म की गंगा

बेधड़क | जयपुर

चातुर्मास में जैन नगरी जयपुर में धर्म की गंगा बहेगी। मुनि प्रणम्य सागर ससंघ कुण्डलपुर से लगभग 750 किलोमीटर का विहार करते हुए चातुर्मास के लिए जयपुर आ रहे हैं।

मुनि ससंघ बुधवार प्रातः सिकन्दरा से मंगल विहार कर कालाखोह स्कूल पहुंचे, जहां पर अशोक पाटनी, सुशीला पाटनी, राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन, प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा, जिला महामंत्री सुभाष बज, सूर्य प्रकाश छाबड़ा, एडवोकेट राजेश काला सहित सैकड़ों लोगों ने आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर दौसा दिगम्बर जैन समाज के पदाधिकारियों ने भी श्रीफल भेंट कर दौसा आगमन का निवेदन किया। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन समिति के अध्यक्ष सुशील पहाड़िया ने बताया कि मुनिराज 22 जुलाई को जुलूस के साथ मीरा मार्ग मानसरोवर में प्रवेश करेंगे।

तैयारियों को लेकर समाज की बैठक

समिति के मंत्री राजेंद्र कुमार सेठी ने बताया कि जुलूस की तैयारियों के संबंध में मंगलवार को रात्रि में समाज बंधुओं की मीटिंग हुई, जिसमें बड़ी संख्या में मंदिरों, युवा एवं महिला मंडलों, जैन सोश्यल ग्रुपों व अन्य संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं समाज के गणमान्य लोगों ने सहभागिता निभाई। सेठी ने बताया कि मंगल प्रवेश जुलूस की जोरशोर से चल रही हैं। इसमें स्कूल, पाठशाला के बच्चे बच्चियों, विभिन्न महिला मंडलों की सदस्याएं और कई आकर्षणों के साथ जुलूस महावीर नगर के दिगम्बर जैन मंदिर से रवाना होकर गायत्री नगर, विजयपथ होता हुआ आदिनाथ भवन मीरा मार्ग मानसरोवर पहुंचेगा।

अतिशय क्षेत्र चूलगिरी पहुंचेंगे 20 को

इससे पूर्व मुनि श्री संघ दौसा, भण्डाना, मोहनपुरा, कानोता होते हुए शनिवार, 20 जुलाई को आगरा रोड स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरी पहुंचेंगे। मुनि श्री ससंघ के सान्निध्य में 21 जुलाई को भट्टारक जी की नसियां में गुरु पूर्णिमा पर्व मनाया जाएगा। रविवार को सायंकाल मुनि श्री ससंघ भट्टारक जी की नसियां से मंगल विहार कर महावीर नगर दिगम्बर जैन मंदिर पहुंचेंगे, जहां उनका रात्रि विश्राम होगा।

जरूरी खबर

प्रभारी सचिव ने ली अधिकारियों की बैठक

सवाई माधोपुर। जिला प्रभारी सचिव एवं राजस्थान राज्य भंडारण निगम प्रबंध निदेशक के अध्यक्ष संदीप वर्मा सवाई माधोपुर के दौरे पर रहे। उन्होंने कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली और राज्य सरकार की बजट घोषणाओं की ठीक तरह से क्रियान्विति को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक के दौरान प्रभारी सचिव ने विभागीय अधिकारियों को आपसी विभागीय समन्वय के साथ बजट घोषणाओं को पूरा करने के निर्देश दिए। संदीप वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री एंव वित्तमंत्री की मंशा के अनुरूप बजट घोषणाओं की तुरत अनुपालना हो, ताकि आमजन को बजट घोषणाओं का जल्द लाभ मिल सके।

भीलवाड़ा में सर्पदंश से महिला की मौत

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा के राशमी थाना क्षेत्र में खेत पर कार्य कर रही महिला की सांप के काटने के बाद उपचार के दौरान मौत हो गई। जानकारी के अनुसार लालपुरा में रहने वाले छोगा अहीर की पत्नी केसर बाई खेत पर कृषि कार्य कर रही थी। इसी दौरान उसे एक काले सांप ने काट लिया, जिससे केसर बाई बेहोश हो गई। उसकी चीख सुनकर खेत पर काम कर रहे उसके परिजन आए और केसर बाई को तुरंत अस्पताल ले गए, जहां उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई।

धौलपुर: तालाब में डूबे तीन बच्चे, एक की मौत

धौलपुर। बाड़ी सदर थाना क्षेत्र के गडरपुरा के तालाब में नहाते समय तीन बच्चे डूब गए। चीख-पुकार सुनकर ग्रामीणों ने दो बच्चों को तो बचा लिया, लेकिन 12 साल के एक बच्चे की डूबने से मौत हो गई। डूबे हुए बच्चे के शव को बुधवार शाम को कड़ी मशक्कत के बाद स्थानीय गोताखोरों ने तालाब से रेस्क्यू किया। जांच अधिकारी योगेंद्र शर्मा ने बताया कि 12 वर्षीय पंकज मीणा निवासी उमरेह अपने दो दोस्तों के साथ पड़ोसी गांव गडरपुरा के तालाब में नहाने गया था। तीनों दोस्त नहाने के लिए तालाब में कूद गए और नहाते समय गहरे पानी में चले गए। बच्चों की चीख पुकार सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे, जिन्होंने दो बच्चों को बचा लिया, लेकिन पंकज मीणा गहरे पानी में डूब गया।

पूरे भारत में केवल अजमेर में ही होता है यह खेल

इमाम हुसैन की याद में नंगी तलवारों के साथ खेला हाईदौस

बेधड़क | अजमेर

मुस्लिम समुदाय के लोगों ने बुधवार को हजरत इमाम हुसैन और उनके साथियों की शहादत की याद में मोहर्रम मनाई। ख्वाजा की नगरी, अजमेर में रहने वाले वाले मुस्लिम समुदाय के लोगों ने नंगी तलवारों से हाईदौस खेलकर इमाम हुसैन के प्रति अपनी अकीदत पेश की गई।

डोले शरीफ के जुलूस के दौरान निभाई जाने वाली इस खास परंपरा के लिए खुद अजमेर का पुलिस प्रशासन सैकड़ों लोगों को तलवारें मुहैया करवाता है और इसे खेले जाने के दौरान कई लोग तलवार

की चोट से गंभीर रूप से जख्मी भी हो जाते हैं, लेकिन कोई भी न तो कोई शिकवा करता है और ना ही पुलिस में केस दर्ज करवाया जाता है बल्कि घायल हुए लोग इसे अपनी खुशकिस्मती मानते हैं।

पांच सौ सालों से चली आ रही है परंपरा

बीते पांच सौ सालों से चली आ रही इस परंपरा की खास बात यह है कि अजमेर का पुलिस प्रशासन खुद हाईदौस खेलने वाले लोगों को 100 तलवारें मुहैया करवाता है। माना जाता है कि कर्बला की पहाड़ियों में इस्लाम की रक्षा करने के दौरान हजरत इमाम हुसैन और उनके सैकड़ों साथियों को शहीद कर दिया गया था। उन्हीं की याद में अजमेर में हाईदौस खेला जाता है, जिसके तहत सैकड़ों लोग हाथों में तलवार थामे सिर्फ इस भावना से हाईदौस खेलते हैं कि काश वे भी उस समय मौजूद होते तो इमाम हुसैन से पहले अपनी जान न्योछावर कर देते।

दो ही जगह निभाई जाती है यह परंपरा

खास बात यह है कि समूचे एशिया में तलवारों से हाईदौस खेलकर कर्बला की जंग का मंजर पेश किए जाने की यह परंपरा केवल दो ही जगह निभाई जाती है एक तो अजमेर में और दूसरा पाकिस्तान के हैदराबाद शहर में। हाईदौस केवल अंदरकोट कोटियान पंचायत समाज के लोग ही खेलते हैं। इस परंपरा की सबसे अच्छी बात यह है कि इसे खेलने के दौरान यदि कोई जख्मी भी हो जाता है तो वह चोट लगने के बाद किसी तरह की कोई दुश्मनी नहीं पालता और ना ही पुलिस में शिकायत दर्ज करवाता है। इसके लिए पुलिस प्रशासन की तरफ से भी खास सुरक्षा के प्रबंध किए जाते हैं। तोपों की गरज से शुरू होने वाले इस खेल मे सैकड़ों लोग हिस्सा लेते हैं, जो ढोल और ताशों की मातमी धुन के बीच डोले शरीफ की सवारी को अपने कंधों पर उठाकर सैराब करने के लिए निकल पड़ते हैं।

भरतपुर में छात्रसंघ चुनाव को लेकर NSUI का विरोध-प्रदर्शन

छात्रों के पैदल मार्च को पुलिस ने रोका तो हुई धक्का-मुक्की

बेधड़क | भरतपुर

प्रदेश में छात्रसंघ चुनाव की मांग जोर पकड़ती नजर आ रही है। प्रदेश के अलग-अलग जिलों में छात्रसंघ चुनाव को लेकर लगतार छात्र सड़कों पर उतर रहे हैं। इसी कड़ी में बुधवार को भरतपुर में भारी बवाल देखने को मिला। यहां कांग्रेस के छात्र संगठन एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने जमकर विरोध-प्रदर्शन किया। भरतपुर में एनएसयूआई छात्रों ने यूनिवर्सिटी में छात्रसंघ चुनाव के बहाल को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

एनएसयूआई छात्र जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय से पैदल मार्च निकालते हुए सीएम जनसुनवाई केंद्र की ओर आगे बढ़े तो पुलिस बल ने उनको यातायात चौराहे पर रोक लिया। इस दौरान पुलिसकर्मी और एनएसयूआई छात्रों के बीच धक्का-मुक्की देखने को मिली। मौके पर एसडीएम पहुंचे और उन्होंने ज्ञापन लेकर के छात्रों को आश्वासन देते हुए कहा कि आपकी बात सीएम तक पहुंचा दी जाएगी। एनएसयूआई जिला अध्यक्ष वीकेश फौजदार ने बताया कि एनएसयूआई संगठन ने छात्र संघ चुनाव की बहाली को लेकर जिला कलेक्ट्रेट से लेकर मुख्यमंत्री जनसुनवाई केंद्र तक पैदल मार्च शांति प्रिय तरीके से निकाला जा रहा था, लेकिन इसी दौरान पुलिस ने यातायात चौराहे पर हम लोगों को रोका तो उनके साथ धक्का-मुक्की हो गई। पुलिस ने एनएसयूआई छात्रों को मुख्यमंत्री जनसुनवाई केंद्र तक नहीं पहुंचने दिया। इस दौरान छात्र बीच रोड पर बैठकर

विरोध प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। एनएसयूआई जिला अध्यक्ष ने बताया कि छात्र संघ चुनाव की बहाली को लेकर एसडीएम को सीएम के नाम ज्ञापन सौंपा गया।

एसडीएम ने आश्वासन दिया है कि मांग पत्र को ऊपर पहुंचा जाएगा। उधर छात्र नेताओं का कहना था कि सरकार द्वारा इस मामले पर कोई एक्शन नहीं लिया गया तो एनएसयूआई द्वारा प्रदेश स्तर पर बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

डिग्गी कल्याणजी मेला: डिप्टी सीएम ने PHED के अफसरों को दिए निर्देश

पदयात्रा से पहले सड़क मार्ग करें दुरुस्त: दिया

बेधड़क | टोंक

जिले के मालपुरा की धार्मिक नगरी डिग्गी में अगले महीने शुरू होने वाले 59वें लक्खी मेले और पदयात्रा से पूर्व मंदिर की ओर जाने वाली सभी सड़कों को दुरुस्त करवाया जाएगा। डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने इस संबंध में बुधवार को पीएचईडी विभाग के अफसरों को निर्देश जारी कर दिए हैं।

उन्होंने कहा है कि मंदिर की तरफ जाने वाली सार्वजनिक निर्माण विभाग की सभी सड़कें, जो बरसात के कारण यदि खराब हो गई हैं तो विभाग उन्हें तत्काल ठीक करवाए ताकि पदयात्रियों एवं श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो। प्रदेश के प्रमुख आस्था केंद्र डिग्गी कल्याणजी में 11 अगस्त से लक्खी मेले का आयोजन किया जाएगा। 11 अगस्त को जयपुर से पदयात्रा के साथ ही इस मेले का शुभारंभ होगा और 15 अगस्त को पदयात्रा का निशान मंदिर पर चढ़ने के साथ इसका समापन होगा। इस मेले एवं पदयात्रा में प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालु आते हैं।

इन सड़कों की होगी मरम्मत

परियोजना निदेशक आरएसआरडीसी यूनिट टोंक ने बताया कि जयपुर-भीलवाड़ा स्टेट हाईवे सड़क के पेचवर्क के लिए प्रस्ताव बनाकर मुख्यालय भेजकर निविदा पूर्ण कर ली गई है। जल्दी ही कार्य आदेश जारी करके इसके पेचवर्क का कार्य पूर्ण करवा दिया जाएगा। इसी प्रकार देवली-केकड़ी-मालपुरा सड़क तथा डिग्गी-सोहेला सड़क (सोहेला से बोराखंडी तक) गारंटी अवधि में होने के कारण इनकी मरम्मत संबंधित संवेदक से करवाई जाएगी। इस संबंध में निर्देश जारी कर दिए गए हैं, इसे शीघ्र ही पूरा करवा दिया जाएगा। इसी प्रकार मालपुरा से पिपणी सड़क के पेचवर्क का कार्य भी जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा ताकि श्रद्धालुओं को कोई परेशानी ना हो।

बिजली गिरने से वृद्ध की मौत

झालावाड़। शहर के नजदीक मंडावर थाना क्षेत्र के मोरियांखेड़ी ढाबला गांव में आकाशीय बिजली गिरने से 62 वर्षीय एक वृद्ध की मौत हो गई। मंडावर पुलिस ने बुधवार को झालावाड़ अस्पताल पहुंचकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई की। मंडावर थाने के हेड कांस्टेबल बृजेंद्र गुर्जर ने बताया कि मृतक के दामाद राधेश्याम ने रिपोर्ट में बताया कि उसके ससुर दुर्गालाल बकरियां चराने गए थे। इसी बीच अचानक मौसम खराब हो गया। तेज बरसात के बीच अचानक दुर्गालाल पर आकाशीय बिजली गिर गई।

जंगल में भ्रष्टाचार की कटाई

डूंगरपुर में एसीबी का एक्शन... चार रिश्वतखोर अरेस्ट

बेधड़क | डूंगरपुर

वन क्षेत्र में भ्रष्टाचार के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बड़ी कार्रवाई की है। एसीबी की राजसमंद इकाई ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए हुए बलराम पाटीदार, क्षेत्रीय वन अधिकारी (रेंजर), जिला राजसमंद, लोकेश, क्षेत्रीय वन अधिकारी (रेंजर), डूंगरपुर और अशोक, वनपाल, कार्यालय क्षेत्रीय वन अधिकारी, डूंगरपुर को 5 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

आरोपियों ने जंगल से काटी गई लकड़ी को बेरोकटोक परिवहन करने की एवज में घूस ली। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी की राजसमंद इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई थी कि वन विभाग डूंगरपुर द्वारा पकड़ी गई लकड़ी की गाड़ी को छोड़ने एवं बिछीवाड़ा नाके पर बिना रोक-टोक आवागमन की एवज में मासिक बंधी के रूप में आरोपी लोकेश रेंजर और अशोक वनपाल द्वारा 45 हजार रुपए रिश्वत की मांग की जा रही थी। सत्यापन के दौरान आरोपी लोकेश ने रिश्वत राशि बलराम पाटीदार को देने को कहा।

एसीबी उदयपुर रेंज के उप महानिरीक्षक पुलिस राजेंद्र प्रसाद गोयल के सुपरविजन में एसीबी की राजसमंद इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हिम्मत सिंह चारण के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया गया। पुलिस निरीक्षक मंशाराम ने मय टीम के साथ ट्रेप कार्यवाही करते हुए बलराम पाटीदार को 5 हजार रुपए की रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। मामले में आरोपी लोकेश और अशोक को डूंगरपुर से दस्तयाब कर गिरफ्तार किया गया है। एसीबी जयपुर की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में आरोपियों से पूछताछ और कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जाएगा।

7 हजार घूस लेते कांस्टेबल अरेस्ट

डूंगरपुर। जिले में एसीबी की टीम ने एक पुलिस कांस्टेबल को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। एसीबी के अधिकारियों ने बताया कि बुधवार को चौरासी थाना में तैनात हेड कांस्टेबल कारूलाल यादव को सात हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। डूंगरपुर एसीबी चौकी के उपाधीक्षक रतनसिंह राजपुरोहित ने बताया कि 4 जुलाई को परिवादी ने चौकी में परिवाद दिया था। इसमें बताया था कि एक लड़की को बहला फुसलाकर भगा ले जाने और छेड़छाड़ के मामले में ठोस कार्रवाई करने के नाम पर चौरासी थाने के हेड कांस्टेबल कारूलाल यादव 10 हजार की डिमांड कर रहा है। बाद में कारूलाल जांच बंद करने की एवज में रिश्वत की मांग रहा था। परिवादी ने 16 जुलाई को फिर से एसीबी में शिकायत की। शिकायत के बाद एसीबी ने सत्यापन करवाया। सत्यापन में 7 हजार की राशि तय होने की पुष्टि होने पर कांस्टेबल को गिरफ्तार किया। एसीबी की टीम गिरफ्तार कांस्टेबल से पूछताछ कर उसके घर और अन्य ठिकानों पर तलाशी अभियान में लगी है।

रेलवे की रिपोर्ट में खुलासा

सात साल में 'ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते' में बचाए 84 हजार से ज्यादा बच्चे

बेधड़क | जयपुर

रेलवे सुरक्षा बल का 'नन्हे फरिश्ते' नाम का अभियान में पिछले सात वर्षों में सबसे सफल रहा है। यह मिशन कई भारतीय रेलवे जोन में देखभाल और सुरक्षा की जरूरत वाले बच्चों को बचाने के लिए समर्पित है। रेल मंत्रालय के अनुसार, पिछले सात वर्षों (2018- मई 2024) के दौरान, आरपीएफ ने स्टेशनों और ट्रेनों में खतरे में पड़े 84 हजार 119 बच्चों को बचाया है।

रेल मंत्रालय ने इसकी तारीफ करते हुए कहा कि 'नन्हे फरिश्ते महज एक अभियान नहीं है, यह उन हजारों बच्चों के लिए जीवन रेखा है जो खुद को अनिश्चित परिस्थितियों में पाते हैं। 2018

से 2024 तक के आंकड़े रेलवे सुरक्षा बल के अटूट समर्पण की कहानी को दर्शाते हैं। प्रत्येक बचाव समाज के सबसे कमजोर सदस्यों की सुरक्षा के लिए आरपीएफ की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। मंत्रालय ने कहा कि साल 2018 'ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते' के लिए एक महत्वपूर्ण शुरुआत थी और इस साल, आरपीएफ ने बच्चे और बच्चियों दोनों समेत कुल 17 हजार 112 बच्चों को बचाया।

पिछले तीन सालों में रिकॉर्ड बच्चों को बचाया

साल 2021 के दौरान आरपीएफ ने अपने बचाव अभियानों में फिर से तेजी दिखाई और 11 हजार 907 बच्चों को बचाया। आरपीएफ की सराहना करते हुए रेल मंत्रालय ने कहा कि 2022 के दौरान आरपीएफ की अटूट प्रतिबद्धता स्पष्ट थी क्योंकि उन्होंने 17 हजार 756 बच्चों को बचाया, जो रिकॉर्ड की गई अवधि में सबसे अधिक है। इस कड़ी में साल 2023 के दौरान, आरपीएफ ने 11 हजार 794 बच्चों को बचाया। मंत्रालय ने कहा कि 2024 के पहले पांच महीनों में, आरपीएफ ने अब तक 4,607 बच्चों को बचाया है।

135 रेलवे स्टेशनों पर चाइल्ड हेल्प डेस्क स्थापित

रेल मंत्रालय ने कहा कि हम अपने विशाल रेलवे नेटवर्क में बच्चों के लिए एक सुरक्षित वातावरण बनाने का प्रयास करते हुए विकसित हो रहे हैं। भारतीय रेलवे की पहलों की जानकारी देते हुए मंत्रालय ने कहा ट्रैक चाइल्ड पोर्टल में पीड़ित बच्चों के बारे में विस्तृत जानकारी है। वहीं भारतीय रेलवे ने 135 से अधिक रेलवे स्टेशनों पर चाइल्ड हेल्पडेस्क स्थापित किए हैं। जब रेलवे सुरक्षा बल की तरफ से किसी बच्चे को बचाया जाता है, तो उसे जिला बाल कल्याण समिति को सौंप दिया जाता है, जो बच्चे को उसके माता-पिता को सौंप देती है।

'सबसे ज्यादा घर से भागने वाले बच्चे बचाए गए'

रेल मंत्रालय के अनुसार, बचाए गए 17 हजार 112 बच्चों में से 13 हजार 187 बच्चों की पहचान घर से भागे हुए बच्चों के रूप में की गई है, वहीं 2105 लापता बच्चों की संख्या चिंताजनक है, जबकि इसमें 1091 बच्चे जो अपने परिजनों से यात्रा के दौरान अलग हो गए। इसमें 400 निराश्रित बच्चे, 87 अपहृत बच्चे और 78 मानसिक रूप से विकलांग और 131 बेघर बच्चे पाए गए।

कोरोना काल के दौरान भी जारी रहा अभियान

वहीं अभियान के दौरान बचाए गए बच्चों की लगातार बढ़ती संख्या से पता चलता है कि बच्चों के भागने और उन्हें सुरक्षा देने की कितनी आवश्यकता है। मंत्रालय के अनुसार, साल 2020 कोविड-19 महामारी के कारण चुनौतीपूर्ण रहा, जिसने सामान्य जीवन को बाधित किया और परिचालन को काफी प्रभावित किया, लेकिन इन चुनौतियों के बावजूद, आरपीएफ 5,011 बच्चों को बचाने में सफल रहा।

वर्धमान खुला विश्वविद्यालय, कोटा में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने जारी किया परिणाम

प्री DLEd परीक्षा परिणाम जारी, जोधपुर के छगनलाल रहे टॉपर

बेधड़क कोटा

प्रदेश के 376 डीएलएड कॉलेजों में बीएसटीसी कोर्स की करीब 26 हजार सीटों पर प्रवेश के लिए आयोजित प्री डिप्लोमा इन एलिमेंट्री एजुकेशन (प्री डीएलएड 2024) का परिणाम बुधवार को वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा ने जारी कर दिया।

परीक्षा परिणाम जारी करने के लिए प्रदेश के शिक्षा व पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर विश्वविद्यालय परिसर स्थित गांधी भवन में सुबह 8 बजे पहुंचे। इसके बाद उन्होंने वीएमओयू के कुलपति प्रो. कैलाश सोडाणी के साथ परिणाम जारी किया। इस दौरान परिणाम जारी करते हुए मंत्री दिलावर ने कहा कि परीक्षा में प्रथम स्थान पर जोधपुर के छगनलाल प्रजापत रहे हैं, उन्हें 93 फीसदी यानी 558 अंक मिले हैं। दूसरे स्थान पर अलवर के निश्चल शर्मा 555 अंक 92.5 फीसदी और तीसरे स्थान पर अजमेर के चेलाराम 552 अंक 92 फीसदी लाकर रहे हैं।

हिंदी में प्रश्न पत्र छपवाने की तारीफ

शिक्षा मंत्री ने विश्वविद्यालय की ओर से हिंदी में प्रश्न पत्र छपवाने की पहल की तारीफ की। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी व हिंदी में पेपर छपवाने दोहरा खर्चा होता है। यानी जनता की खरी कमाई का पैसा वैसे ही चला जाता था। जिसकी जरूरत परीक्षार्थियों को नहीं होती थी। मेरी जानकारी के अनुसार तीन चार प्रतिशत अभ्यर्थियों ने अंग्रेजी में प्रश्न पत्र मांगा होगा।

5 लाख से अधिक बैठे थे परीक्षा में

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर और वीएमओयू के कुलपति प्रो. कैलाश सोडाणी ने तीनों टॉपर अभ्यर्थियों को फोन पर शुभकामनाएं दी। इसके साथ ही उन्होंने यूनिवर्सिटी के स्टाफ और कोऑर्डिनेटर डॉ. रवि गुप्ता को भी बधाई दी, क्योंकि परीक्षा संपन्न करवाने के बाद 16 दिन में ही यह परीक्षा परिणाम तैयार कर जारी कर दिया गया है। दरअसल प्री डीएलएड परीक्षा का आयोजन वीएमओयू ने 30 जून को कराया था। यह परीक्षा प्रदेश के 33 जिलों के 1917 परीक्षा केंद्र पर आयोजित हुई थी, जिसमें 6 लाख 45 हजार 454 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। परीक्षा देने 92.19 प्रतिशत यानी 5 लाख 95 हजार 47 पहुंचे थे।

अगस्त में शुरू होगी काउंसलिंग, सितंबर में पूरी होगी प्रक्रिया

कोऑर्डिनेटर डॉ. रवि गुप्ता ने बताया कि अभ्यर्थी अपना परीक्षा परिणाम संबंधित वेबसाईट पर जाकर डाउनलोड कर सकते हैं। उन्हें इसके उन्हें अपना रोल नंबर और डेट ऑफ बर्थ डालना होगा। प्री डीएलएड परीक्षा के समन्वयक डॉ. रवि गुप्ता ने बताया कि अभ्यर्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए माह अगस्त में ही प्रथम काउंसलिंग व अपवर्ड मूवमेंट के बाद नया शैक्षणिक सत्र शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि वीएमओयू फ्री डीएलएड 2024 की प्रवेश प्रक्रिया को सितंबर माह में ही पूरा करने का प्रयास कर रहा है।

Yuva स्टोरीज

126 लोगों को मिला सुरक्षा कंपनी में रोजगार

बेधड़क | जयपुर

झालाना डूंगरी स्थित डॉ. अम्बेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी राजस्थान के सहयोग से सुरक्षा कंपनी श्री एस सिक्यूरिटी सोल्यूशन्स की ओर से सोसायटी परिसर में लगाए रोजगार मेले का बुधवार को समापन समारोह आयोजित हुआ। इस दौरान सोसायटी अध्यक्ष रिटायर्ड आईपीएस जसवंत संपतराम ने नवनियुक्त सुरक्षाकर्मियों व सुपरवाइजर्स को नौकरी में चयन होने पर बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कंपनी के जीएम कमांडेंट इंद्रराज सिंह ने अध्यक्ष जसवंत सम्पतराम को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया और बताया कि इस रोजगार मेले में तीन दिन के दौरान कुल 126 लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया गया।

समापन समारोह में महासचिव जी एल वर्मा, युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष प्रशांत मेहरड़ा, राजेंद्र मेघवाल, गीगराज जोड़ली, जगदीश प्रसाद कालवा, एडवोकेट बलवंत के साथ अन्य लोग भी शामिल हुए।

96 स्टूडेंट्स ने दी बास्केटबॉल और वॉलीबॉल में आपस में चुनौती

जयपुर। स्टूडेंट्स में खेल भावना, टीम वर्क और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा विकसित करने के उद्देश्य से वैशाली नगर स्थित टैगोर पब्लिक स्कूल में इंटर हाउस बास्केट बॉल और वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सभी हाउस सांगा, प्रताप, रमन, और टैगोर ने इसमें उत्साह पूर्वक भाग लिया। लड़कियों की बास्केटबॉल में पहले स्थान पर रमन हाउस ने और दूसरे स्थान सांगा हाउस ने प्राप्त किया। इसी क्रम में लड़कों की वॉलीबॉल प्रतियोगिता में विजेता टीम सांगा हाउस तथा उप-वि विजेता टीम रमन हाउस रही। सभी स्टूडेंट्स ने अपनी टीम का उत्साहवर्धन किया। खेल के दौरान सभी स्टूडेंट्स का प्रदर्शन सराहनीय था। सभी ने मिल कर खेल प्रतिस्पर्धा को रोचक और यादगार बनाया । प्रतियोगिता के बाद स्कूल की प्रिंसिपल भव्या राठौड़ ने विजेता टीम को शुभकामनाएं दी। स्कूल के करीब 96 स्टूडेंट्स ने खेल के मैदान में प्रतिस्पर्धा के साथ - साथ खेल के प्रति अपनी रुचि और आपसी तालमेल को बखूबी दर्शाया। क्लास 11 और 12 के स्टूडेंट्स ने इस खेल प्रतियोगिता में अपनी सहभागिता दिखाई।

चुनाव नहीं कराने पर छात्रों ने शुरू किया विरोध

छात्र संघ चुनाव के नाम पर लिया जा रहा शुल्क

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में छात्र संघ चुनाव कराने को लेकर छात्रों की ओर से लगातार मांग की जा रही है। सरकार की ओर से अभी तक अंतिम निर्णय भी नहीं हुआ है। वहीं उच्च शिक्षा मंत्री के छात्र संघ चुनाव के संबंध में दिए बयान ने छात्र नेताओं को सरकार के खिलाफ मुखर कर दिया है। इस बीच राजस्थान विश्वविद्यालय में छात्र संघ अध्यक्ष की कुर्सी से विधानसभा तक का सफर तय कर चुके कई जनप्रतिनिधियों ने छात्र संघ चुनाव कराए जाने की पैरवी की है। वहीं, पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने पिछले साल पुलिस प्रशासन की ओर से मिले फीडबैक के कारण चुनाव नहीं कराए जाने की बात कही। इन सबके बीच छात्रों ने उस शुल्क पर सवाल उठाए हैं, जो राजस्थान विश्वविद्यालय की ओर से छात्र संघ चुनाव के नाम पर प्रत्येक छात्र से लिए जा रहे हैं। साथ ही इस मामले को कोर्ट में ले जाने की चेतावनी भी दी है। आपको बता दें कि राजस्थान विश्वविद्यालय में 2006 में छात्र संघ चुनाव पर रोक लगा दी गई थी। इसके बाद 2010 में छात्र संघ चुनाव की दोबारा बहाल हुए। हालांकि 2020 और 2021 में कोरोना संक्रमण की वजह से छात्र संघ चुनाव नहीं हो पाए थे और फिर 29 जुलाई 2022 को पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने इलेक्शन कराया, लेकिन बीते साल 12 अगस्त 2023 को कांग्रेस सरकार ने ही छात्र संघ चुनाव पर रोक लगाने का फैसला लिया था।

इन्होंने की वकालत

राजस्थान विश्वविद्यालय सहित प्रदेश के विश्वविद्यालय और कॉलेज में छात्र संघ चुनाव कराए जाने की मांग को लेकर छात्र आंदोलनरत हैं। कभी उन्हें पुलिस प्रशासन की लाठी खानी पड़ रही है, तो कभी उन्हें हिरासत में लिया जा रहा है। इन छात्र नेताओं के साथ ही राजस्थान यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष रहे कालीचरण सराफ, अशोक लाहोटी, प्रताप सिंह खाचरियावास, राजेंद्र राठौड़, राजकुमार शर्मा, मनीष यादव जैसे जनप्रतिनिधि जो आज प्रदेश की राजनीति में अपनी सक्रिय भूमिका अदा कर रहे हैं, उन्होंने भी छात्र संघ चुनाव कराए जाने की वकालत की है।

ब्याज के साथ मांगा जाएगा हिसाब

छात्र नेता शुभम रेवाड़ ने कहा कि राजस्थान विश्वविद्यालय नहीं चाहता कि नियमित रूप से छात्र संघ के चुनाव हों, लेकिन छात्र संघ के चुनाव के नाम पर राजस्थान विश्वविद्यालय प्रत्येक छात्र से लगातार शुल्क वसूल कर रहा है। प्रोस्पेक्टस में भी मेंशन है 145 रुपए छात्र संघ चुनाव के और 110 रुपए मेंबरशिप फीस, कुल 255 रुपए प्रति छात्र वसूल किए जा रहे हैं। रेवाड़ ने कहा कि प्रदर्शन करके पैसे का हिसाब नहीं मांगा जाएगा, क्योंकि जब भी छात्र प्रदर्शन करते हैं तो उनको पुलिस प्रशासन को बुलाकर मुकदमे लगवा देते हैं और कोर्ट में ले जाते हैं। ऐसे में इस बार छात्र विश्वविद्यालय प्रशासन को कोर्ट में लेकर जाएगा और जो पैसा छात्र संघ चुनाव के नाम पर लिया जा रहा है उसका हिसाब ब्याज के साथ मांगा जाएगा।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने दिया बयान

पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने भी हाल ही में सोशल मीडिया पर लिखा कि उनकी सरकार के समय पुलिस-प्रशासन के फीडबैक के कारण चुनावी वर्ष में छात्र संघ चुनाव नहीं करवाए जा सके थे, क्योंकि प्रशासन विधानसभा चुनावों की तैयारी में व्यस्त था और अधिकांश जगह कॉलेज में ही चुनावी गतिविधियों जैसे चुनावी ट्रेनिंग, ईवीएम भंडारण और मतगणना केन्द्र आदि होते हैं। उनका मानना है कि छात्र संघ राजनीति की पहली पाठशाला है। छात्र संघ चुनावों से विद्यार्थियों में लोकतंत्र एवं संविधान के प्रति जागरूकता आती है। वो खुद छात्र संघ की राजनीति से निकले हैं। पिछले कार्यकाल में बीजेपी सरकार ने छात्र संघ चुनावों पर रोक लगाई थी, जिसे उनकी सरकार ने हटाया। कोविड के बाद भी उन्हीं की सरकार ने छात्र संघ चुनाव बहाल किए थे। सरकार को छात्र संघ चुनावों की मांग कर रहे विद्यार्थियों पर बल प्रयोग करने की बजाय उनकी मांग को मानना चाहिए।

पदोन्नति अतिशीघ्र करने की मांग

सरकारी स्कूलों में विभिन्न पदों के 82 हजार से अधिक पद रिक्त

बेधड़क | जयपुर

राज्य के सबसे बड़े विभाग शिक्षा विभाग में पदोन्नति समय पर नहीं होने की वजह से राज्य में शारीरिक शिक्षक से लेकर प्रधानाचार्य तक के 82 हजार 807 पद रिक्त है। इसका खामियाजा राज्य की सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले लाखों मेधावी विद्यार्थियों को भुगतना पड़ रहा है। राज्य के सभी सेकेंडरी स्कूलों को उच्च माध्यमिक स्कूलों में क्रमोन्नत करने से सरकारी स्कूलों में शिक्षकों का पहले से ही टोटा है। इस बीच पदोन्नति भी अटकने से समस्या और बढ़ गई है। राज्य में गत सरकार ने राज्य के 3 हजार 828 माध्यमिक विद्यालयों को उच्च माध्यमिक में क्रमोन्नत कर लगभग साढ़े ग्यारह हजार व्याख्याताओं के पद स्वीकृत किए हैं । सभी नवक्रमोन्नत विद्यालयों में उसी सत्र से ही कक्षा 11 व 12 में नियमित अध्यापन भी करवाने की मंजूरी दी गई और इन नव क्रमोन्नत विद्यालयों में व्याख्याताओं के समस्त पद रिक्त हैं। शिक्षा विभाग ने वरिष्ठ अध्यापक से व्याख्याता की राज्य स्तरीय अस्थाई सूची भी जारी करके आपत्ति भी मांग ली है व जिन वरिष्ठ अध्यापको की एपीआर जमा नहीं है मांग ली। पदोन्नति का इंतजार करते करते जिन वरिष्ठ अध्यापकों को घर के नजदीक जाना था वो तबादले करवाने को लेकर असमंजस में है। पदोन्नति के चक्कर में सैकड़ों शिक्षकों ने तबादला भी नहीं कराया। क्योंकि वरिष्ठ अध्यापक का अंतर मंडल तबादला होने से वरिष्ठता खत्म हो जाती हैं। शिक्षक नेता मोहर सिंह सलावद ने बताया की वरिष्ठ अध्यापक व व्याख्याता के 50 प्रतिशत पदों पर सीधी भर्ती व 50 प्रतिशत पदों पर पदोन्नति से भरने का नियम हैं। इनकी भी पदोन्नति नहीं होने से बोर्ड परीक्षाओं के विद्यार्थियों को भी समय पर वरिष्ठ अध्यापक और व्याख्याता नहीं मिल सके। वरिष्ठ अध्यापक,व्याख्याता, प्रधानाचार्य की पदोन्नति को बेवजह अटकाया जा रहा है।

मुक्तमंच की 85वीं मासिक संगोष्ठी में विचार

परीक्षा कराने वाली संस्थाओं की विश्वसनीयता संदेह में

जयपुर । मुक्तमंच जयपुर की 85 वीं मासिक संगोष्ठी 'नीट परीक्षाएँ और शुचिता का प्रश्न' विषय पर बहुभाषाविद डॉ. नरेन्द्र शर्मा 'कुसुम' की अध्यक्षता मे सम्पन्न हुई। आईएएस (सेनि) अरुण ओझा मुख्य अतिथि थे और 'शब्द संसार'के अध्यक्ष श्रीकृष्ण शर्मा ने संयोजन किया।

अपने अध्यक्षीय भाषण में डॉ. कुसुम ने कहा कि इन परीक्षाओं का आयोजन करने वाली संस्थाओं की विश्वसनीयता प्रश्नों के घेरे में है। अपराधियों में भय व्याप्त हो और उन्हें नसीहत मिले, यह प्रशासन की जिम्मेदारी है। मुख्य अतिथि अरुण ओझा ने कहा कि आज 'एजूकेशन' बहुत बड़ी इंडस्ट्री बन गई और जो लोग नीट-नैट के धन्धे में लगे हुए हैं वे लाखों के वारे न्यारे कर रहे हैं।

सेवानिवृत मुख्य अभियन्ता एवं कम्प्यूटर विशेषज्ञ दामोदर चिरानियां ने कहा कि 'नीट' परीक्षा में पेपर-लीक व्यवसाय बन गया है। नीट परीक्षा कम्प्यूटर आधारित हो। वरिष्ठ पत्रकार गुलाब बन्ना ने कहा कि शिक्षा आज भी लार्ड मैकाले की शिक्षा प्रणाली है जो केवल 'बाबू' बनाती है और यह उच्च शिक्षा वाले प्रोफेशन्स के लिए अनुपयुक्त है।

नकल कराने पर 12 शिक्षकों को किया निलंबित

बेधड़क | बीकानेर

प्रदेश में स्टेट ओपन की 10वीं और 12वीं की परीक्षा में सामूहिक नकल के मामले में बुधवार को शिक्षा निदेशालय ने गंभीरता दिखाई है। निदेशालय ने अवकाश के दिन इस मामले में 12 शिक्षकों को निलंबित किया है। शिक्षा निदेशक आशीष मोदी ने कहा कि स्टेट ओपन की परीक्षा में सामने आए वीडियो और फ्लाइंग टीम की कार्रवाई के बाद प्रारंभिक दृष्टया शिक्षकों को दोषी पाए जाने पर निलंबन की कार्रवाई की गई है। दरअसल, जोधपुर के लोहावट के कोलू राठौर में राजकीय माध्यमिक स्कूल पनजी का बेरा में मंगलवार को स्टेट ओपन की 10वीं और 12वीं की परीक्षा में सामूहिक नकल का मामला सामने आया था। यहां शिक्षकों ने मुख्य द्वार पर ताला लगा दिया और बोर्ड पर प्रश्नों के जवाब लिखकर स्टूडेंट्स को नकल करवा रहे थे। फ्लाइंग टीम के पहुंचने पर उसे गेट पर ताला लगा मिला। इसके बाद टीम ने दीवार बांधकर स्कूल में प्रवेश किया और नकल का खुलासा किया। दरअसल, इस मामले में लोहावट थाने में स्कूल के प्रिंसिपल, परीक्षा प्रभारी, पर्यवेक्षक और अन्य शिक्षकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। इस पूरी नकल का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसके बाद ही शिक्षा विभाग हरकत में आया और कार्रवाई की।

3 साल की हिताक्षी में पेड़ लगाने का उत्साह

बेधड़क | जयपुर

पर्यावरण संरक्षण को लेकर भाजपा नेता आलोक पारीक की ओर से चलाए गए पौधारोपण अभियान से प्रेरित होकर एक छोटी बच्ची में उत्साह देखने को मिला है। बच्ची का नाम हिताक्षी शर्मा है और अभी सिर्फ तीन साल की है। मगर इस बच्ची का उत्साह देखकर सभी लोग आश्चर्य चकित और हैरान हैं। बच्ची ने 10 से 12 पेड़ लगाकर एक नया संदेश दिया है। इस मुहिम से बच्ची से प्रेरणा मिली है। वहीं जीवन में हमे भी कम से कम दो पेड़ लगा कर बच्ची का मनोबल बढ़ाना चाहिए। इस अवसर पर भाजपा के आलोक पारीक ने बच्ची को प्रोत्साहित किया।

पर्यावरण संरक्षण | निर्वाण विश्वविद्यालय के छात्रों और कर्मचारियों ने दिखाई पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी

निर्वाण विवि में एनएसएस सेल ने लगाए 200 पौधे

बेधड़क | जयपुर

निर्वाण विश्वविद्यालय में एनएसएस सेल ने प्रधानमंत्री की "एक पौधा मां के नाम" मुहिम के तहत पौधारोपण अभियान का आयोजन किया। अभियान के तहत विश्वविद्यालय परिसर में लगभग 200 पौधे लगाए गए। इस खास अवसर पर निर्वाण विश्वविद्यालय के चेयरमैन डॉ. एस. एल. सिहाग ने कहा कि यह पहल हमारे विश्वविद्यालय के छात्रों और कर्मचारियों के पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी और समर्पण को दर्शाती है। हम इस प्रकार की और भी गतिविधियों को बढ़ावा देंगे ताकि हमारा परिसर और हमारे आसपास का क्षेत्र हरा-भरा और स्वच्छ रहे। वाईस चेयरमैन डॉ. आर. के. अरोड़ा ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम न केवल पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, बल्कि समाज में जागरूकता और सहयोग की भावना को भी बढ़ावा देते हैं। हम अपने छात्रों को इस दिशा में और अधिक सक्रियता से भाग लेने के लिए प्रेरित करेंगे।

छात्रों और स्टाफ ने लिया बढ़-चढ़कर हिस्सा

पौधारोपण अभियान के दौरान विश्वविद्यालय के छात्रों और स्टाफ ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। छात्रों ने पौधों को रोपने के साथ-साथ उनकी देखभाल और संरक्षण के उपायों पर भी ध्यान दिया। स्टाफ सदस्यों ने पौधों के सही स्थान पर रोपण और उनकी देखभाल की निगरानी की। इस अभियान ने छात्रों और स्टाफ को पर्यावरण संरक्षण की महत्ता को समझने और उसमें सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

भविष्य में भी होते रहेंगे कार्यक्रम

विश्वविद्यालय की इस पहल से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहचान दिखी है, बल्कि सामुदायिक विकास और सहयोग को भी बढ़ावा मिला है। इस तरह के कार्यक्रम भविष्य में भी आयोजित किए जाएंगे, ताकि समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता और योगदान को बढ़ावा मिल सके। विश्वविद्यालय के छात्रों और स्टाफ ने इस अभियान के दौरान जो उत्साह और समर्पण दिखाया, वह सभी के लिए प्रेरणादायक है। यह महत्वपूर्ण कार्यक्रम एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. के. सी. सैनी और डॉ. विजय लक्ष्मी के निर्देशन में संपन्न हुआ।

मेरे सभी पात्र, जीते-जागते समाज का हिस्सा हैं

ज़ाहिद ख़ान
स्वतंत्र टिप्पणीकार

लोकशाहीर अण्णा भाऊ साठे का स्मृति दिवस

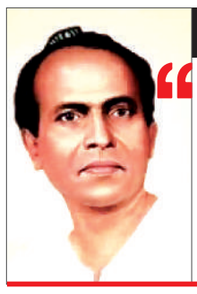

"अण्णा भाऊ के जिम्मे पार्टी और उसकी विचारधारा को अवाम तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य था। तमाशा में अण्णा भाऊ अकेले गाते। जनता से उसी की भाषा में संवाद करते। जिसका असर यह होता कि उनके गाए लोकगीत जन-जन की जुबान पर आ जाते।"

अण्णा भाऊ साठे की पहचान पूरे देश में एक लोकशाहीर के तौर पर है। दलित, वंचित, शोषितों के बीच उनकी छवि एक लोकप्रिय जनकवि की है। अपने लेखन से उन्होंने हाशिए के समाज को आक्रामक जबान दी। चेतना फैलाई, अपने हक के लिए जागरूक किया। सोये हुए समाज में सामाजिक क्रांति की अलख जगाई। देश के आजादी आंदोलन, संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन और गोवा मुक्ति आंदोलन इन सभी में आंदोलनों में अण्णा भाऊ साठे की सक्रिय भागीदारी थी। देशवासियों के अधिकारों और न्याय के वास्ते एक कलाकार के तौर पर वे हर आंदोलन में हमेशा आगे-आगे रहे। उनके लिखे पावड़े, लावणियां मुक्ति आंदोलनों में एक नई ऊर्जा और जोश पैदा करते थे। महाराष्ट्र में दलित साहित्य की शुरुआत करने वालों में अण्णा भाऊ साठे का नाम बहुत अहम है। दलित साहित्य संगठन के वह पहले अध्यक्ष रहे. इसके अलावा इप्टा से मिली जिम्मेदारियां भी निभाते रहे। लोकनाट्य 'तमाशा' के मार्फ़त अण्णा भाऊ ने दलित आंदोलन के संघर्षों को अपनी आवाज दी।

एक दलित परिवार में जन्मे अण्णा भाऊ साठे ने जो भी सीखा, जीवन की पाठशाला से सीखा। बचपन से ही उन्हें तमाम लोकगीत कंठस्थ हो गए थे। 'भगवान विठ्ठल' की सेवा में वे अभंग गाया करते थे, जिनमें जातीय ऊंच-नीच को धिक्कारा गया था और बराबरी का पैग़ाम था। आजादी के पहले महाराष्ट्र में जब भयंकर सूखा पड़ा, तो रोजगार की तलाश में उनके पिता भाऊराव साठे मुंबई पहुंच गए। पिता के साथ अण्णा भाऊ ने भी जीवन के संघर्ष के लिए कई छोटे-मोटे कार्य किए। जीवन-संघर्ष के बीच पढ़ना-लिखना सीखा। उनके एक रिश्तेदार बापू साठे 'तमाशा' मंडली चलाते थे। गाने-बजाने का शौक अण्णा को उन तक ले गया और वे भी 'तमाशा' से जुड़ गए। अण्णा भाऊ साठे की बुलंद आवाज, याद करने की अद्भुत क्षमता, हारमोनियम, तबला, ढोलकी, बुलबुल समेत तमाम वाद्ययंत्र बजाने की कुशलता, किसी भी तरह की भूमिका करने की योग्यता और निरंतर सीखने, नए-नए प्रयोग करने की सलाहियत ने उन्हें कुछ समय में ही 'तमाशा' नाट्य मंडली का नायक बना दिया। 1944 में अण्णा भाऊ ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर 'लाल बावटा कलापथक' (लाल क्रांति कलामंच) नाम की नई तमाशा मंडली की इब्तिदा की। जिसके बैनर पर उन्होंने सिर्फ़ महाराष्ट्र में ही नहीं बल्कि पूरे देश में घूम-घूकर क्रांतिकारी कार्यक्रम पेश किए। उस समय देश में आजादी का संघर्ष चरम पर था। अंग्रेजी हुकूमत के ख़िलाफ़ लोगों में ग़ुस्सा था। 'तमाशा' जनता से संवाद का सीधा माध्यम था। 'लाल बावटा' के जरिए अण्णा भाऊ साठे किसानों, मजदूरों के दुख-दर्द को सामने लाने का काम करते थे। लोगों को आजादी की अहमियत समझाते। उनमें आजादी का सोया हुआ जज्बा जगाते। अधिकारों के लिए संघर्ष को आवाज देते। यही वजह है कि किसानों, मजदूरों और कामगारों में उनकी लोकप्रियता बढ़ती चली गई। लोग उन्हें 'शाहीर अन्ना भाऊ साठे' और 'लोकशाहीर' कहकर पुकारने लगे।

इस बीच वह मुंबई की एक मिल में काम करने लगे। जहां मजदूरों की समस्याओं से उनका सीधा परिचय हुआ। मिल में मजदूरी करते हुए, वे कम्युनिस्ट पार्टी के संपर्क में आए और उसके सक्रिय सदस्य बन गए। बाद में इप्टा के भी सरगर्म मेंबर बने। वामपंथी विचारों और जीवन शैली से उनकी सोच में बड़ा बदलाव आया। वैज्ञानिक दृष्टिकोण और समतावादी विचारों ने उनकी शख्सियत को नए ढंग से गढ़ा। अण्णा भाऊ के जिम्मे पार्टी और उसकी विचारधारा को अवाम तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य था। तमाशा में अण्णा भाऊ अकेले गाते। जनता से उसी की भाषा में संवाद करते। जिसका असर यह होता कि उनके गाये लोकगीत जन-जन की जुबान पर आ जाते। इन लोकगीतों में वे मुंबई में बसे कामगारों की जिंदगी की परेशानियों और दुःख का चित्रण करते, जो लोगों को अपना सा लगता। इप्टा में अदाकार बलराज साहनी के संपर्क में आने के बाद, देश-दुनिया के मुद्दों पर उनकी जो समझ बनी, उसका इस्तेमाल बाद में उन्होंने 'तमाशा' और 'पौवाड़ा' में किया। एक वक्त ऐसा भी आया कि अण्णा भाऊ साठे की सांस्कृतिक टोली में कई प्रतिभाशाली कलाकार अमर शेख़, गावनकार आदि साथ-साथ थे। इस ग्रुप की प्रस्तुतियां मजदूर वर्ग से लेकर उच्च वर्ग तक को प्रभावित करती थीं। मराठी जबान में 'पवाड़ा' लंबे अरसे से प्रचलित रहा है, जो एक तरह से लंबी कविता या शौर्यगीत होता है। जिसे कई आदमी एक साथ मिलकर त्योहारों और दीगर मौकों पर गाया करते हैं। पहले इनके विषय ऐतिहासिक या धार्मिक होते थे। अण्णा भाऊ साठे ने इन पवाड़े के विषयों में आधारभूत बदलाव किया और इनमें देश की राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक समस्याओं को समाहित किया। उनमें मजदूरों की हालत, उनकी सियासत और जद्दोजहद, अंतरराष्ट्रीय मजदूर आंदोलन और रूस की साम्यवादी हुकूमत के कारनामे शब्दबद्ध किए। अंजुमन तरक्कीपसंद मुसन्निफीन के बानी सज्जाद जहीर ने अपनी किताब 'रौशनाई : तरक्कीपसंद तहरीक की यादें' में अण्णा भाऊ साठे के कारनामों को याद करते हुए लिखा है, 'अण्णा भाऊ साठे ने इस जमाने में कई पवाड़े लिखे। ये मजदूरों के हजारों के मजमे में गाए जाते थे और बेहद मकबूल थे। स्तालिनग्राद की जंग और उसमें हिटलरी फ़ौजों की हार पर जो पवाड़ा था, उसे ख़ास तौर पर मकबूलियत हासिल हुई।'

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज

चुनाव से पहले आतंक बना चुनौती

गजानन्द शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

"जम्मू क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सीमा लगती है और सीमावर्ती इलाके में घने जंगल हैं। आतंकवादी इस दुर्गम भौगोलिक स्थिति का फायदा उठाकर सुरक्षा बलों को निशाना बना रहे हैं। हाल ही में सैन्य बलों पर हुए हमलों के बदलते पैटर्न की ओर इशारा कर रहे हैं। इसलिए इस आशंका को बल मिल रहा है कि चुनावों से पहले पाकिस्तान की शह से आतंकवादी हिंसक गतिविधियां बढ़ा सकते हैं ताकि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में बाधा डाली जा सके।"

जम्मू कश्मीर के शांत जम्मू क्षेत्र में हाल के आतंकी हमलों से इस केंद्र शासित प्रदेश में सितंबर में संभावित विधानसभा चुनाव से पहले केंद्र सरकार के सामने चुनौतियां बढ़ गई हैं। सबसे बड़ी चुनौती है राज्य में ऐसा वातावरण कायम रखना कि लोग खुद आगे बढ़कर मतदान कर सकें। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को 30 सितंबर तक जम्मू कश्मीर में चुनाव कराने का निर्देश दिया था और चुनाव आयोग ने उसी दिशा में अपनी तैयारियां तेज भी कर दी हैं। 20 अगस्त तक मतदाता सूची को अंतिम रूप देने का काम चल रहा है। वहीं, आयोग की अगस्त के पहले सप्ताह में राज्य में चुनावी तैयारियों की समीक्षा करने की योजना है। ऐसे में यह माना जा रहा है कि 20 अगस्त के आसपास वहां किसी भी दिन चुनाव कार्यक्रम की घोषणा हो सकती है, लेकिन हाल में राज्य में बढ़ी आतंकी हिंसा से चुनाव आयोग के सामने भी चुनौती बढ़ गई है। आयोग को विधानसभा चुनाव के लिए सुरक्षा इंतजाम करने हैं तो सुरक्षा बलों को आतंकियों के खिलाफ भी मोर्चा संभालना है।

यानी दोनों के सामने दोहरी चुनौती हैं। आतंकवाद से निपटना और राज्य में शांतिपूर्ण चुनाव करना। आतंकवादियों में राज्य में हाल में हुए लोकसभा चुनाव के मतदान को लेकर हताशा है क्योंकि आतंकवादियों की धमकी के बावजूद लोग मतदान करने निडर होकर घरों के बाहर निकले। संभवतः आतंकवादी नहीं चाहते कि विधानसभा चुनाव में भी यह दृश्य दोहराया जाए और उन्होंने आतंकी हिंसा तेज कर दी। वे चुनाव से पहले माहौल को खराब करना चाहते हैं, लेकिन हाल के दिनों बढ़ी आतंकवादी गतिविधियों ने कई अन्य आयाम भी नजर आते हैं। इससे कई आशंकाएं और सवाल खड़े हो गए हैं। सवाल यह भी है कि क्या आतंकवादी राज्य में सिर्फ चुनाव प्रक्रिया को ही बाधित करना चाहते हैं या उनकी कोई और भी साजिश है? क्या इस साजिश का सूत्रधार पाकिस्तान के अलावा भी कोई और है? आतंकवादियों की रणनीति और उनके द्वारा काम में लिए जा रहे हथियार कुछ और ही इशारे करते हैं और इससे इन आशंकाओं को बल मिलता है कि इस साजिश में पाकिस्तान के अलावा कोई और भी शामिल है। लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा

पर चीन के सैन्य जमावड़े और गलवान की घटना के बाद भारत की जवाबी सैन्य तैनाती की आंच बीजिंग भी महसूस कर रहा है। चीन चाहता है कि भारत का सैन्य दबाव कम हो। तो क्या जम्मू में आतंकियों के बढ़ते हमले के पीछे पाकिस्तान के साथ चीन का भी अदृश्य हाथ है? इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता कि चीन भारत को हर तरह से घेरने का प्रयास कर रहा है और वह उसके सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों के भी खिलाफ काम करता रहा है। वह कश्मीर में सक्रिय आतंकी गुटों के सरगनाओं और आतंकियों को संयुक्त राष्ट्र में अंतरराष्ट्रीय आतंकी घोषित किए जाने से बचाता रहा है, वहीं चीन की एक और दुखती रग चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा यानी सीपेक है।

पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह को चीन से जोड़ने वाला यह गलियारा रणनीतिक व आर्थिक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है, लेकिन यह पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर से होकर गुजरता है और भारत की संप्रभुता का उल्लंघन करता है। इसलिए भारत समय-समय पर इस पर आपत्ति जताता रहता है और इसका विरोध करता आया है। चीन सीपेक से जुड़े प्रोजेक्ट्स के लिए करीब 65 बिलियन डालर का निवेश कर चुका है, लेकिन बलूच विद्रोही अपने इलाके में चीनी नागरिकों और पाकिस्तानी सुरक्षा बलों को निशाना बनाते रहते हैं। इसलिए इस बात की प्रबल आशंका है कि चीन भारत पर दबाव बढ़ाने के लिए जम्मू कश्मीर में सक्रिय आतंकवादियों की पाकिस्तानी सेना के जरिए मदद कर रहा हो। आतंकियों के साथ मुठभेड़ स्थलों से बरामद चीनी हथियार इस बात की गवाही देते नजर आते हैं, वहीं यह भी लगता है कि जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव से पहले आतंकवादी पाकिस्तान के इशारे पर यहां एक और खेल खेलना चाहते हैं। वे जम्मू क्षेत्र में हिंसा को बढ़ावा देकर पूरे क्षेत्र में अस्थिरता पैदा करने के साथ ही यहां की हिंदू आबादी को निशाना बनाकर लोगों को पलायन के लिए मजबूर करना चाहते हैं। 90 के दशक में घाटी में आतंकवाद-उग्रवाद की शुरुआत के बाद बड़ी संख्या में कश्मीरी पंडितों को वहां से पलायन करना पड़ा था। आतंकवादी इसलिए भी लोगों का पलायन चाहते हैं क्योंकि शांतिपूर्ण चुनाव अलगाववादियों-आतंकवादियों के सपनों पर पानी फेर देंगे। इसलिए वे हिंसा को बढ़ावा देकर चुनाव प्रक्रिया में बाधा डालना चाहते हैं। जम्मू क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सीमा लगती है और सीमावर्ती इलाके में घने जंगल हैं। आतंकवादी इस दुर्गम भौगोलिक स्थिति का फायदा उठाकर सुरक्षा बलों को निशाना बना रहे हैं। हाल ही में सैन्य बलों पर हुए हमलों के बदलते पैटर्न की ओर इशारा कर रहे हैं। इसलिए इस आशंका को बल मिल रहा है कि चुनावों से पहले पाकिस्तान की शह से आतंकवादी हिंसक गतिविधियां बढ़ा सकते हैं ताकि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में बाधा डाली जा सके, लेकिन सुरक्षा बलों ने जिस दृढ़ता के साथ आतंकियों को जवाब दिया है, उससे साफ है कि भारत ऐसी किसी साजिश के दबाव में आने वाला नहीं है और जरूरत पड़ने पर वह पलटवार भी करेगा। लगता है आतंकवादी जम्मू क्षेत्र में अपनी गतिविधियां बढ़ाकर सैन्य बलों को उलझाना चाहते हैं ताकि इस इलाके में सैन्य बलों की तैनाती के लिए भारत पर चीन सीमा से सेना के दस्तों को हटाने का दबाव बढ़े। आतंकवादियों के हाल के दिनों में पहले तीर्थ यात्रियों की एक बस को निशाना बनाया। फिर इसी माह कठुआ में सैन्य काफिले के वाहन पर हमला किया, जिसमें पांच जवान शहीद हो गए थे। गत सोमवार को डोडा जिले में हुई एक और मुठभेड़ में एक कैप्टन सहित पांच जवान शहीद हो गए।

हालांकि इस बीच, सेना ने कई आतंकियों का सफाया भी कर दिया, लेकिन पीर पंजाल से लगे इलाके में आतंकवादियों की बढ़ती गतिविधियों ने सैन्य रणनीतिकारों की चिंता भी बढ़ा दी है। आतंकियों ने इन दिनों अपना नाम और रणनीति दोनों बदल लिए हैं। पहले लश्कर ए तैयबा या जैश-ए-मोहम्मद आतंकी हमले की जिम्मेदारी लेते थे। अब कश्मीर टाइगर्स या द रेजिस्टेंस फ्रंट नाम के संगठन इस तरह की गतिविधियों की जिम्मेदारी ले रहे हैं ताकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान पर कोई आंच नहीं आए। आतंकी संगठनों की बदली रणनीति के मद्देनजर अब सैन्य बलों को भी अपनी रणनीति में बदलाव करना होगा क्योंकि उनका आतंकवादियों से सामना घने जंगलों में हो रहा है। इस बीच, ऐसी खबरें भी आ रही हैं कि पाकिस्तान के पूर्व सैनिक और कमांडो आतंकवादियों के दलों के साथ आ रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि हमारे वीर जवान आतंकवादियों को जवाब देने में सक्षम है और वे उनके मंसूबों पर पानी भी फेर देंगे। उन्होंने घाटी में ऐसा करके दिखाया भी है। अनुच्छेद 370 को हटाए जाने के बाद घाटी में सुरक्षा बलों ने आतंकियों और उनसे सहानुभूति रखने वालों को सिर उठाने का मौका नहीं दिया था। जम्मू में भी अब ऐसा ही करने का समय आ गया है। सबसे पहले उनका वह नेटवर्क खत्म करना होगा, जो सेना की मूवमेंट्स की जानकारी आतंकियों तक पहुंचाता है। ताकि लोकतांत्रिक प्रक्रिया बाधित करने की आतंकियों की साजिशों को नाकाम किया जा सके। इसमें कोई संदेह नहीं है कि लोकतंत्र की ताकत के आगे आतंकियों की साजिश एक दिन पूरी तरह दम तोड़ देगी। पाकिस्तान की तमाम साजिशों के बावजूद जम्मू कश्मीर में लोकतांत्रिक प्रक्रिया सफल होकर रहेगी।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

व्यंग्य

घोषित और अघोषित

संतोष दिवाकर
स्वतंत्र टिप्पणीकार

सामान्य रूप से जब कहीं सीबीआई, ईडी आदि के द्वारा छापामारी की जाती है तो उसके बाद घोषित और अघोषित शब्दों को सुनने को मिलता है। छापामारी में इतनी घोषित संपत्ति मिली, इतनी अघोषित संपत्ति मिली है। परंतु आज भारतीय राजनीति में घोषित और अघोषित की अघोषित जंग छिड़ी है। विपक्ष का कहना है कि सत्ता पक्ष ने अघोषित आपातकाल लगा दिया है, कोई भी सरकार के विरुद्ध बोलता है तो उस पर ईडी और सीबीआई की छापामारी हो जाती है, जबकि सत्ता पक्ष वालों के यहां कोई छापामारी नहीं होती है क्योंकि सत्तापक्ष वाले हैं इसलिए गंगाजल से धुले हैं। जबकि सत्ता पक्ष का कहना है कि आप तो इस देश में घोषित आपातकाल लगा चुके हैं और प्रजातंत्र का गला घोंट चुके हैं, उल्टे चोर कोतवाल को डांटे।

घोषित तौर पर तो यह पुरुष प्रधान समाज है जबकि अघोषित तौर पर महिला प्रधान समाज है, घर के सारे महत्वपूर्ण फैसले महिला के सहमति से की जाती है। आजकल तो जुमला भी कहा जाने लगा है वह तो जोरू का गुलाम हो गया। पुरानी बात करें तो माता कैकेयी ने राजा दशरथ से तीन बार मांगे और राजा दशरथ को तीन वर देना पड़ा और भगवान राम वनवास को गए। राजनीति में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने के लिए महिला आरक्षण दिया गया लेकिन यहां भी घोषित और घोषित का चक्कर लगा ही रहा गया। आज महिला भले ही घोषित तौर पर चुनाव में खड़ी होती हैं पर अघोषित तौर पे उनके पति ही सब कुछ करते हैं। परिचय के दौरान लोग कहते हैं कि ये मुखिया पति यानी एमपी हैं, और ये सरपंच पति हैं, यानी एसपी। यह है सत्ता के विकेंद्रीकरण के निचले पायदान की स्थिति। पति-पत्नी और वो वाले घरों में घोषित पति-पत्नी कोई और होता है और अघोषित पति-पत्नी कोई और होता है; जो वास्तविक होता है वो आभासी बनकर रह जाता है। केंद्र की राजनीति की बात करें तो एक पक्ष का कहना है कि भाजपा का अघोषित एजेंडा नागपुर में तय होता है और दूसरे पक्ष का कहना है कि कांग्रेस का अघोषित एजेंडा 10 जनपथ से तय होता है चाहे कांग्रेस अध्यक्ष कोई हो, प्रधानमंत्री कोई हो।

घोषित आय और अघोषित आय में वही अंतर है जो घरवाली और बाहरवाली में होता है; जब भी मामला वैधानिक और धार्मिक आता है तो वहां घरवाली ही काम आती है बाहर वाली काम नहीं आ सकती है। जो आय, आयकर विवरणी में घोषित की जाती है, सरकार की नजर में वही आदमी की हैसियत होती है, मिलकियत होती है, भले ही आपके पास अघोषित कुछ भी हो। विभिन्न कार्यालयों की स्थिति भी इससे कुछ अलग नहीं है। खर्च कटौती के नामपर बाहरी श्रोतों से आदमी को लाकर काम करवाया जाता है जहाँ अघोषितों से घोषित (स्थायी स्टाफ) का काम लेते हैं। नाजायज दरोगा, पेशकार, बड़ा बाबू तो जगजाहिर है जो नाजायज होकर भी सारा जायज काम करता है। सरकारी कार्यालयों में बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा रहता है- घूस लेना और देना अपराध है, सरकार अखबारों में बड़े-बड़े विज्ञापन देती है- दहेज लेना और देना दोनों अपराध है, लेकिन यह तो घोषित तौर पर है; लेकिन अघोषित तौर पर सरकारी कार्यालय में कोई काम बिना पैसा के नही होता है और ना ही कोई शादी बिना दहेज की होती है, यह है घोषित और अघोषित की अजब गजब कहानी।

पुण्यतिथि पर विशेष

प्यार की दुनिया और सुपर स्टार राजेश खन्ना

मुकेश पोपली
व्यंग्यकार

'हाथी मेरे साथी' का नाम पहले 'प्यार की दुनिया' रखा गया था जो फिल्म में राजेश खन्ना के उस घर का नाम होता है जहां सभी जानवर बड़े ही प्यार के साथ रहते हैं।

राजेश खन्ना के निर्माता-निर्देशकों की एक लंबी फेहरिस्त है लेकिन बक़ौल विख्यात सिनेकार मृणाल सेन को इस बात का अफसोस रहा कि वे उन्हें लेकर कोई फिल्म नहीं बना सके। ऋतुपर्ण घोष राजेश खन्ना के 'आनंद' वाले किरदार के बहुत बड़े प्रशंसक रहे। बुद्धदेव दास गुप्त मानते थे कि राजेश खन्ना जैसा अभिनेता बार-बार नहीं आ सकता। हिंदी सिनेजगत के पहले शोमैन राज कपूर ने भी राजेश खन्ना के अभिनय का लोहा माना था। जब 'मेरा नाम जोकर' बुरी तरह फ्लॉप हो गई तो पैसा कमाने के लिए 'बॉबी' जैसी फिल्म उन्होंने बिना इच्छा के बनाई।

'बॉबी' के लिए वह राजेश खन्ना को नायक के रूप में चाहते थे लेकिन बाद में उन्होंने स्वयं स्वीकार किया कि उनके पास बजट नहीं था। राजेश खन्ना उस वक़्त सबसे महंगे अभिनेता थे। स्वयं ऋषि कपूर ने यह बात कही थी कि यदि राजेश खन्ना को 'बॉबी' में ले लिया जाता तब

फिल्मों में मेरी शुरुआत किस तरह होती, मैं नहीं जानता। पैसे की कमी के कारण ही राजेश खन्ना के स्थान पर मुझे नायक बनने का सुअवसर प्राप्त हुआ। बॉलीवुड के एक और विख्यात निर्माता-निर्देशक और अभिनेता मनोज कुमार उन्हें 'उपकार' में प्रेम चोपड़ा वाला किरदार देने को तैयार थे। बाद में किसी कानूनी बाधा से बचने के लिए राजेश खन्ना को वो फिल्म छोड़नी पड़ी जिसका उन्हें ता-उम्र अफसोस रहा। यद्यपि राजेश खन्ना ने किसी भी बंगाली फिल्म में काम नहीं किया लेकिन उनकी धोती-कुर्ते वाली छवि आज भी प्रत्येक बंगाली दर्शक के हृदय में बसी हुई है। सुपरस्टार राजेश खन्ना की पंद्रह बेहद कामयाब फिल्मों की सूची में शामिल 'हाथी मेरे साथी' (1971) आखिरी हिट फिल्म थी। दरअसल इस फिल्म की यह खासियत रही कि इस फिल्म ने वर्ष 1971 में सबसे अधिक कमाई की थी। 'हाथी मेरे साथी' जब 1984 में सोवियत यूनियन में प्रदर्शित हुई तो वहां भी इस फिल्म ने अपनी कमाई के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए और सर्वाधिक कमाई वाली फिल्म रही। 'हाथी मेरे साथी' का नाम पहले 'प्यार की दुनिया' रखा गया था जो फिल्म में राजेश खन्ना के उस घर का नाम होता है जहां सभी जानवर बड़े ही प्यार के साथ रहते हैं। जानवरों और इनसानों के मध्य पनपते प्रेम और रिश्तों का इस फिल्म में बहुत ही खूबसूरती के साथ चित्रण किया गया है और इसे हिंदी सिनेमा की डिज्नी फिल्म भी कहा गया। इसके बाद जानवरों पर बहुत सी फिल्में बनी लेकिन इस प्रकार की लोकप्रियता किसी भी फिल्म के खाते में नहीं आई। 'हाथी मेरे साथी' को जानवरों के प्रति क्रूरता से बचाव हेतु बनी समिति द्वारा गीतकार आनंद बख्शी को विशेष पुरस्कार प्रदान प्रदान किया गया। रिकॉर्ड बनाने वाली कंपनी एच एम वी को भी इस फिल्म के गीत-संगीत के लिए सिल्वर डिस्क पुरस्कार प्रदान किया गया जो इस तरह का किसी भारतीय कंपनी को मिलने वाला पहला पुरस्कार था।

29 दिसंबर 1942 को अमृतसर में जन्मे राजेश खन्ना को चुन्नीलाल खन्ना और लीलावती खन्ना ने जो उनके पारिवारिक रिश्तेदार ही थे, गोद ले लिया था और वह उन्हें बंबई लेकर आ गए थे, जहां उनका अपना कारोबार था। अपने अंतिम दिनों में राजेश खन्ना बेहद बीमार रहे और 18 जुलाई 2012 को वे अपनी ज़िंदगी की जंग हार गए। उनका स्टारडम और उनकी फिल्में आज भी दर्शकों के दिलों में मौजूद है। राजेश खन्ना को विनम्र श्रद्धांजलि।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

X

भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री, राजस्थान
@BhajanLalBJP
हमारा संकल्प ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर राजस्थान। दस वर्षों में प्रदेश में विद्युत मांग में संभावित 6 प्रतिशत वृद्धि दर के लिए कार्य योजना तैयार।वर्ष 2031-32 तक परंपरागत स्रोतों से 20,500 मेगावाट क्षमता उत्पादन का लक्ष्य।अक्षय ऊर्जा स्रोतों से 33,600 मेगावाट क्षमता का उत्पादन का कार्य शुरु।3,325 मेगावाट कोयला एवं लिग्नाइट आधारित परियोजना के लिए MOU किया गया।

प्रियंका गांधी, कांग्रेस महासचिव
@priyankagandhi
प्रधानमंत्री जी कुछ दिन पहले मुंबई में कह रहे थे कि हमने जाने कितने करोड़ रोजगार देकर रिकॉर्ड तोड़ डाले। आज उसी मुंबई में कुछ वैकेंसीज के लिए आए बेरोजगारों की अपार भीड़ का वीडियो वायरल है।

असम के मुख्यमंत्री का दावा: राज्य में वर्ष 1951 में मुस्लिम आबादी 14 प्रतिशत थी, बढ़कर 40 फीसदी तक पहुंची

असम की डेमोग्राफी बदली... यह राजनीतिक नहीं, अस्तित्व का मुद्दा: सरमा

एजेंसी | रांची

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने राज्य में बदलते 'डेमोग्राफी' (जनसांख्यिकीय परिवर्तन) पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने दावा किया है कि राज्य में मुस्लिम आबादी तेजी से बढ़ रही है, जो कि अब करीब 40 प्रतिशत तक पहुंच गई है।

उन्होंने कहा कि राज्य में तेजी से हो रहे जनसांख्यिकीय परिवर्तन हमारे लिए राजनीतिक मुद्दा नहीं है, यह अस्तित्व का मुद्दा है। सीएम ने कहा कि साल 1951 में असम में मुसलमानों की आबादी सिर्फ 14 प्रतिशत थी। सीएम सरमा ने रांची में विजय संकल्प सभा को संबोधित करते हुए यह बात कही। सीएम सरमा झारखंड में भाजपा के सह प्रभारी भी हैं।

सरमा ने बिना किसी धर्म का नाम लिए कहा, मैं ये नहीं कह रहा कि कोई भी अपराध किसी एक विशेष धर्म की ओर से किया जाता है, लेकिन हाल के दिनों में लोकसभा चुनाव के दौरान हुए घटनाएं चिंता का विषय हैं। झारखंड पहुंचे सरमा से जब आने

का कारण पूछा गया तो उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा कि वो रिचार्ज होने के लिए झारखंड आए हैं। इससे पहले 23 जून को हिमंत बिस्व सरमा ने दावा किया था कि बांग्लादेशी अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों ने लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को वोट किया था। इन लोगों ने केंद्र और राज्य की भाजपा नीत सरकारों के विकास कार्यों को नजरअंदाज करते हुए वोटिंग की। उन्होंने ये भी दावा किया था कि बांग्लादेशी मूल के अल्पसंख्यक ही एकमात्र ऐसा समुदाय है, जो राज्य में सांप्रदायिकता में शामिल रहता है। ज्ञात रहे कि असम में भाजपा ने लोकसभा चुनाव में 24 में से 15 सीटों पर जीत हासिल की थी, जबकि 3 सीटें कांग्रेस की झोली में गई थी।

झारखंड विधानसभा चुनाव में जीत का दावा

सरमा ने दावा किया कि लोकसभा चुनाव में पार्टी ने राज्य में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था, जो इस बात की ओर इशारा कर रहा है कि आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा झारखंड में जीत दर्ज कर सकती है। इस दौरान सीएम सरमा ने जीत को लेकर जनता और पार्टी कार्यकर्ताओं पर भरोसा भी जताया। उन्होंने ये भी कहा कि जब डबल इंजन की सरकार होगी तो राज्य में विकास की रफ्तार भी दोगुनी होगी।

झारखंड में घुसपैठिये बने समस्या

सरमा ने झारखंड सरकार पर भी जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि झारखंड में बाहर से घुसपैठियों का आना और आदिवासी बेटियों को फंसाना एक समस्या है। सीएम सरमा ने आरोप लगाया कि राज्य में यह सब जेएमएम और कांग्रेस के संरक्षण में हो रहा है। उन्होंने कहा कि असम एक सीमावर्ती राज्य है और मैं रोज घुसपैठियों से लड़ रहा हूं। सीएम सरमा ने इस मामले में झारखंड सरकार पर हाथ खड़ा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को घुसपैठियों का पता लगाने और उन्हें निर्वासित करने का निर्देश दिया है। सीएम ने कहा कि घुसपैठियों का पता लगाना और निर्वासित करना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है और मैं असम में यह काम रोज करता हूँ।

महागठबंधन 20 को निकालेगा आक्रोश मार्च

पटना। बिहार की बिगड़ती कानून व्यवस्था के खिलाफ 20 जुलाई को महागठबंधन पूरे राज्य में आक्रोश मार्च निकलेगा। ये मार्च सभी जिला मुख्यालयों से निकाला जाएगा। इस मार्च में आरजेडी, कांग्रेस, भाकपा (माले) और VIP पार्टी शामिल होगी। महागठबंधन के नेताओं की बुधवार को राजद कार्यालय में हुई बैठक में यह फैसला किया गया। बैठक में महागठबंधन के सहयोगी दलों के नेता मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने की। ज्ञात रहे कि कुछ महीनों में राज्य में आपराधिक घटनाओं को लेकर विपक्ष लगातार हमलावर है। VIP पार्टी चीफ मुकेश सहनी के पिता की निर्मम हत्या के बाद से नीतीश सरकार विपक्ष के निशाने पर है।

यूपी भाजपा में खींचतान: नड्डा के बाद मोदी से मिले भूपेंद्र चौधरी

विरोधी सुरों को शांत करने की कोशिश...एकजुटता की नसीहत

- केशव प्रसाद मौर्य ने भी की नड्डा से मुलाकात, कई मुद्दों पर मंथन

एजेंसी | लखनऊ/ नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के बड़े नेताओं के बीच चल रही खींचतान अब सतह पर आ गई है। पिछले 48 घंटे में दो बार राज्य के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा से अलग-अलग मुलाकात की है। नड्डा से मुलाकात के बाद भूपेंद्र चौधरी ने बुधवार को पीएम मोदी से भी मुलाकात की। दोनों मुलाकातें केवल शिष्टाचार भेंट नहीं थीं। एक घंटे से ज्यादा चलीं बैठकों में कई मुद्दे उठे हैं। इन बैठकों में एक तरफ जहां पार्टी में विभिन्न स्तरों पर उभर रही नाराजगी और विरोधाभासी सुरों को शांत करने की कोशिश की गई, वहीं बयानबाजी को लेकर नसीहत भी दी गई है। बैठक में लोकसभा चुनाव में भाजपा की हार के कारणों पर ही विस्तार से चर्चा होने की बात ही जा रही है। भूपेंद्र चौधरी ने कार्यकर्ताओं की उपेक्षा और अति आत्मविश्वास को ही हार का कारण माना है। कहा जा रहा है कि केशव प्रसाद मौर्य अपनी भूमिका को लेकर संतुष्ट नहीं हैं।

राज्य में 10 विधानसभा सीटों के लिए उपचुनाव होने वाले हैं। लोकसभा चुनाव में भाजपा को राज्य में पार्टी की उम्मीदों के अनुसार सफलता नहीं मिली थी। पार्टी ने पराभव के कारणों को जानने के लिए अंतर्मंथन शुरू किया है, तो अंतर्विरोध भी खुलने लगे हैं।

केंद्रीय नेतृत्व ने दी एकजुट रहने की नसीहत

इन मुलाकातों में केंद्रीय नेतृत्व ने पार्टी में एकजुटता बनाए रखने, कार्यकर्ताओं के मनोबल को ऊंचा रखने और संयम के साथ बोलने की नसीहत दी है। पार्टी ने संदेश देने की कोशिश है कि यह समय एकजुटता का है, ताकि पार्टी 2027 के लिए पूरी ताकत से तैयारी में जुट सके, न कि एक दूसरे को कमजोर करने की कोशिश की जाए। सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय नेतृत्व में दोनों नेताओं की बातों को सुना और उनके द्वारा उठाए गए मसलों पर ध्यान देने का भरोसा भी दिया है।

कैसी चली खींचतान

गत रविवार को प्रदेश भाजपा की विस्तारित कार्यकारिणी की बैठक में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने 'संगठन हमेशा सरकार से बड़ा होता है' पार्टी में हलचल मचा दी थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी के हित में इस मसले पर बयानबाज़ी नहीं की जानी चाहिए। औपचारिक रूप से केंद्रीय नेतृत्व ने अभी तक कुछ कहा नहीं है। बहरहाल, केशव प्रसाद मौर्य ने नड्डा से मिलने के बाद फिर कहा, संगठन हमेशा सरकार से बड़ा होता है।

चौधरी ने कई मंत्रियों को लेकर उठाए सवाल

वहीं, प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने भी कई मंत्रियों को लेकर सवाल उठाए हैं। फिलहाल, भाजपा की कोशिश मामले को ठंडा रखने और सभी को एक साथ रख कर आगे बढ़ने की है। ऐसे में सरकार के स्तर पर किसी तरह के बड़े बदलाव की संभावना नहीं है।

संगठन स्तर पर कमियों को दूर करने का दिया भरोसा

खासकर उत्तर प्रदेश में सरकार के भीतर और संगठन के स्तर पर कमियों को जल्द दूर करने का भी भरोसा दिया गया। उत्तर प्रदेश भाजपा की विस्तारित कार्यसमिति की बैठक दो दिन पहले ही हुई थी, जिसमें नेताओं ने खुलकर अपने विचार रखे थे और संगठन की मजबूती पर जोर दिया गया था। साथ ही चुनावी नतीजों को लेकर परोक्ष रूप से निशाने साधे गए थे। उस समय कई बातें नहीं हो पाई थी, जिनको लेकर अब प्रदेश के दो नेताओं ने केंद्रीय नेतृत्व के सामने अपने मुद्दे रखे हैं। सूत्रों के अनुसार, उप-मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य राज्य में अपनी भूमिका को लेकर संतुष्ट नहीं हैं।

चावल चोरी केस में BJP नेता मणिकांत राठौड़ गिरफ्तार

कलबुर्गी (कर्नाटक)। अन्ना भाग्य योजना के लिए चावल चोरी करने के मामले में भाजपा नेता मणिकांत राठौड़ को गिरफ्तार किया गया है। इसकी जानकारी पुलिस ने बुधवार को दी। शाहपुर पुलिस ने राठौड़ को जिला मुख्यालय कलबुर्गी स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया। सूत्रों ने बताया कि मणिकांत को यादगीर जिले के शाहपुर में एक सरकारी गोदाम से दो करोड़ों रुपए से अधिक मूल्य के 6,077 क्विंटल चावल की चोरी के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है। भाजपा नेता को पुलिस ने पूछताछ के लिए उपस्थित होने के लिए बुलाया था, लेकिन उन्होंने पूछताछ की अनदेखी की, जिसके कारण उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। राठौड़ ने 2023 का विधानसभा चुनाव भाजपा के टिकट पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे प्रियांक खरगे के खिलाफ लड़ा था और हार गए थे।

हरियाणा में अग्निवीरों के लिए खुशखबरी

कई नौकरियों में 10 प्रतिशत आरक्षण, बिना ब्याज मिलेगा लोन

एजेंसी | चंडीगढ़

विधानसभा चुनाव से पहले हरियाणा सरकार ने अग्निवीरों को प्रदेश में कई सरकारी नौकरियों में 10 प्रतिशत आरक्षण देने की घोषणा की है। चंडीगढ़ स्थित हरियाणा निवास में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को प्रेस वार्ता के दौरान अग्निवीरों के लिए कई बड़ी घोषणाएं की हैं। उन्होंने कहा कि अग्निवीरों को पुलिस कांस्टेबल, माइनिंग, गार्ड, जेल गार्ड और एसपीओ की भर्ती में 10 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। ग्रुप सी में तीन वर्ष की आयु में छूट दी जाएगी। वहीं ग्रुप बी की नौकरियों में पांच प्रतिशत तथा ग्रुप ए की नौकरियों में एक प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। ज्ञात रहे कि हरियाणा में इसी साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। हरियाणा में अग्निवीर योजना बहुत बड़ा मुद्दा है। राज्य से बड़ी संख्या में युवा सेना की तैयारी करते हैं। ऐसे में राज्य सरकार ने अब प्रदेश की भर्तियों में अग्निवीरों को आरक्षण देने का निर्णय किया है। उन्होंने कहा कि लगभग दो साल पहले 14 जून 2022 को अग्निवीर योजना लागू की गई थी। इसके तहत चार वर्ष के लिए भारतीय सेना में तैनाती की जाती है। अग्निवीर योजना से स्किल्ड और एक्टिव युवा तैयार होता है।

5 लाख रुपए तक के कर्ज पर नहीं देना होगा ब्याज

अग्निवीर सैनिकों को पांच लाख रुपए तक बिना ब्याज का लोन दिया जाएगा। सरकार अग्निवीर सैनिकों को यातायात दुर्घटना में घायल होने पर मुआवजा देगी। सड़क दुर्घटना में घायलों का पूरा खर्च भी सरकार उठाएगी। इसके लिए हर जिले में कमेटी का गठन किया गया है। अगर पीड़ित की मौत हो जाती है तो परिजनों को मुआवजा मिलेगा। इस खर्च का वहन हरियाणा रोड सेफ्टी फंड से किया जाएगा। इस स्कीम के तहत बीमाकृत तथा बीमा रहित वाहनों और टक्कर मारकर भागने वाले मोटर वाहन दुर्घटनाओं के पीड़ितों को कैशलेस उपचार की सुविधा प्रदान की जाएगी। सीएम सैनी ने कहा कि यदि कोई अग्निवीर अपना उद्यम स्थापित करेगा तो उसमें पांच लाख तक कोई ब्याज नहीं लगेगा।

महाराष्ट्र में अब सरकार लाई लाड़ला भाई योजना

छात्रों को हर माह मिलेंगे 6 से 10 हजार रुपए

एजेंसी | नई दिल्ली

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले ही राज्य की मौजूदा महायुति सरकार ने घोषणाओं की झड़ी लगा दी है। राज्य सरकार ने लाडली बहना के बाद अब 'लाडला भाई योजना' की घोषणा की है। इसके तहत 12वीं की परीक्षा पास करने वाले छात्रों को हर महीने 6 हजार रुपए दिए जाएंगे। इसके अलावा डिप्लोमा कर रहे छात्रों को हर महीने आठ हजार और ग्रेजुएशन की पढ़ाई पूरी करने वाले विद्यार्थियों को हर महीने 10 हजार रुपए देने का फैसला किया है। ज्ञात रहे कि राज्य में अक्टूबर में चुनाव होने हैं। ऐसे में सरकार की इस घोषणा को चुनावों से जोड़कर देखा जा रहा है। पिछले महीने ही पेश किए गए बजट में महाराष्ट्र सरकार ने लड़की बहिन योजना की शुरुआत की थी

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार यह स्कीम राज्य में लगभग हर परिवार को प्रभावित करेगी और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली राजग सरकार को इससे बड़े फायदे की उम्मीद है। एकनाथ शिंदे ने पंढरपुर में आषाढ़ी एकादशी के मौके पर इसका ऐलान किया। उन्होंने कहा, जब हमने लड़की बहिन योजना शुरू की तो कुछ लोगों ने हमारी आलोचना की। उन्होंने कहा कि प्यारी बहन के लिए योजनाएं लाए हैं। अब प्यारे भाइयों का क्या? मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि हम भी प्यारे भाइयों की देखभाल कर रहे हैं।

युवाओं को अप्रेंटिसशिप के लिए देगी पैसे

सीएम शिंदे ने कहा कि इस योजना के तहत, हमारी सरकार राज्य के युवाओं को उन कारखानों में अप्रेंटिसशिप करने के लिए पैसे देने जा रही है, जहां वे काम करेंगे। इस योजना के तहत हमारे युवाओं को फैक्ट्रियों में अप्रेंटिसशिप मिलेगी और सरकार उन्हें वजीफा देगी। इतिहास में यह पहली बार है कि किसी सरकार ने ऐसी योजना लॉन्च की है। इस योजना से हमने बेरोजगारी का समाधान ढूंढ लिया है।

RSS से जुड़े साप्ताहिक अखबार के एक लेख में दावा

न अजित पवार की पार्टी से होता गठबंधन और ना भाजपा हारती

एजेंसी | मुंबई

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े एक साप्ताहिक अखबार ने लोकसभा चुनाव में भाजपा के खराब प्रदर्शन के लिए अजित पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से गठबंधन के उसके फैसले को जिममेदार ठहराया है। अखबार में प्रकाशित एक लेख में कहा गया है कि भाजपा के अजित पवार के नेतृत्व वाले एनसीपी गुट से हाथ मिलाने के बाद जनभावनाएं पूरी तरह से पार्टी के खिलाफ हो गईं। आरएसएस से जुड़े साप्ताहिक अखबार 'विवेक' ने मुंबई, कोंकण और पश्चिम महाराष्ट्र क्षेत्र में 200 से अधिक लोगों से की गई अनौपचारिक रायशुमारी के आधार पर यह लेख प्रकाशित किया है। लेख में कहा गया है, भाजपा या संगठन (संघ परिवार) से जुड़े लगभग हर व्यक्ति ने कहा कि वह अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के साथ गठबंधन करने के भाजपा के फैसले से सहमत नहीं है। हमने 200 से अधिक उद्योगपतियों, व्यापारियों, चिकित्सकों, प्रोफेसर और शिक्षकों की राय जानी। इन सभी ने माना कि भाजपा-एनसीपी गठबंधन को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में व्याप्त असंतोष को कम करके आंका गया। उसने यह भी कहा कि मध्य प्रदेश में बेहतर समन्वय और शासन एवं निर्णय लेने की प्रक्रिया में कार्यकर्ताओं को दिए गए महत्व ने राज्य की लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज करने में भाजपा की मदद की।

कर्नाटक: निजी कंपनियों में आरक्षण पर गहराया विवाद

सिद्धारमैया का यू-टर्न...उद्योग जगत के विरोध पर विधेयक को रोका

- पहले कहा: सी व डी श्रेणी में शत-प्रतिशत आरक्षण, फिर 50 से 70प्रतिशत आरक्षण की बात कही थी

एजेंसी | बेंगलुरु

कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार ने उस विधेयक को ठंडे बस्ते में डाल दिया जिसमें निजी क्षेत्र में कन्नड़ लोगों के लिए आरक्षण अनिवार्य किया गया था। कर्नाटक राज्य उद्योग, कारखानों और अन्य प्रतिष्ठानों में स्थानीय उम्मीदवारों के लिए रोजगार विधेयक, 2024 को सोमवार को राज्य मंत्रिमंडल ने मंजूरी दी थी। इस विधेयक की उद्योग जगत और प्रौद्योगिकी क्षेत्र की नामचीन हस्तियों ने आलोचना की है। जिसके बाद कर्नाटक सरकार ने यह फैसला लिया। खुद मुख्यमंत्री सिद्धारमैया इसे लेकर घिर गए हैं। दरअसल, उन्होंने पहले एक ट्वीट कर निजी उद्योगों में 'सी और डी' श्रेणी के 100 प्रतिशत पदों को कन्नडिगा (कन्नड़भाषी) लोगों के लिए आरक्षित करने की बात कही। इस पर जब विवाद बढ़ा तो उन्होंने यू-टर्न लेते हुए इसे डिलीट कर दिया। बाद में उन्होंने एक नया ट्वीट कर कहा कि सोमवार को हुई कैबिनेट बैठक में राज्य के निजी उद्योगों और अन्य संगठनों में कन्नड़ लोगों के लिए प्रशासनिक पदों के लिए 50% और गैर-प्रशासनिक पदों के लिए 75% आरक्षण तय करने वाले विधेयक को मंजूरी दी गई। हमारी प्राथमिकता कन्नड़ लोगों के कल्याण का ध्यान रखना है। इस बीच, सीएम की पोस्ट को लेकर विवाद बढ़ने पर कई मंत्री डैमेज कंट्रोल में जुट गए। लेकिन अंततः

फिर विचार कर करेंगे निर्णय

मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से बुधवार को जारी एक बयान में कहा गया,निजी क्षेत्र के संगठनों, उद्योगों और उद्यमों में कन्नड़ लोगों को आरक्षण देने के लिए मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकृत विधेयक को अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। इस पर आगामी दिनों में फिर से विचार किया जाएगा और निर्णय लिया जाएगा।

बचाव मुद्रा में आई कर्नाटक सरकार

कन्नड भाषियों को 'शत प्रतिशत आरक्षण' देने के फैसले का कारोबारी दिग्गजों और प्रौद्योगिकी क्षेत्र के नामी लोगों द्वारा कड़ी आलोचना किए जाने के बाद राज्य सरकार बचाव की मुद्रा में आई थी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने बुधवार को निजी क्षेत्र की नौकरियों में कन्नड़ भाषियों को शत-प्रतिशत आरक्षण देने को लेकर सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी अपनी पोस्ट को हटा लिया था।

यह था विधेयक में

विधेयक में कहा गया है कि किसी भी उद्योग, कारखाने या अन्य प्रतिष्ठानों को प्रबंधन श्रेणियों में 50 प्रतिशत और गैर-प्रबंधन श्रेणियों में 70 प्रतिशत स्थानीय उम्मीदवारों की नियुक्ति करनी होगी।

उच्च कौशल वाली भर्ती से रखा जाए बाहर

बायोकॉन लिमिटेड की चेयरपर्सन किरण मजूमदार शॉ ने बुधवार को कहा कि निजी कंपनियों में कन्नड़ लोगों के लिए आरक्षण अनिवार्य करने के कर्नाटक सरकार के फैसले से उच्च कौशल वाली भर्ती को बाहर रखा जाना चाहिए। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर उन्होंने लिखा, एक प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में हमें कुशल प्रतिभा की आवश्यकता है। हालांकि, हमारा उद्देश्य स्थानीय लोगों को रोजगार प्रदान करना है...लेकिन हमें इस कदम से प्रौद्योगिकी में अपनी अग्रणी स्थिति को प्रभावित नहीं करना चाहिए।

यह कहा था सीएम सिद्धारमैया ने

सिद्धरामैया ने एक अन्य पोस्ट कर बताया कि मंत्रिमंडल ने राज्य के निजी उद्योगों और अन्य संस्थानों के प्रशासनिक पदों में 50% और गैर प्रशासनिक पदों में 75% आरक्षण कन्नड़ भाषियों को देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को एक्स पर जारी पोस्ट में कहा था, मंत्रिमंडल की बैठक में राज्य के सभी निजी उद्योगों में 'सी' और 'डी' श्रेणी की नौकरियों को शत प्रतिशत कन्नड भाषियों के लिए आरक्षित करने वाले विधेयक को मंजूरी दी गई है।

जरूरी खबर

बजट से पूर्व केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक आज

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में केंद्रीय कैबिनेट की बैठक गुरुवार को होने वाली है। यह बैठक सुबह साढ़े 10 बजे से शुरू होगी। मालूम हो कि यह बैठक 23 जुलाई को पेश किए जाने वाले केंद्रीय बजट 2024 से ठीक पहले हो रही है। मालूम हो कि 22 जुलाई को संसद का मानसून सत्र शुरू होने जा रहा है। वहीं, इस सत्र में बीते सत्रों की सरह हंगामा न हो इसके लिए सरकार ने 21 जुलाई को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। मानसून सत्र के दौरान ही बजट पेश किया जाना है। ये सत्र 22 जुलाई से शुरू होकर 12 अगस्त तक चलने वाला है। इसी दौरान केंद्र सरकार अपना पूर्ण बजट पेश करेगी। 23 जुलाई को केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण बजट पेश करने वाली हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार शाम को भाजपा मुख्यालय जा सकते हैं। वे कार्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे।

तेल टैंकर पलटा, 8 भारतीयों समेत 9 को बचाया

नई दिल्ली। ओमान के तट पर पलटे तेल टैंकर के चालक दल के लापता 16 सदस्यों में 9 को बचा लिया गया है। इनमें से 8 भारतीय और एक श्रीलंकाई नागरिक है। चालक दल के लापता 16 सदस्यों में से 13 भारतीय हैं। चालक दल के शेष सदस्यों को खोजने के लिए भी अभियान जारी हैं। कोमोरोस ध्वज वाला यह तेल टैंकर सोमवार को पलट गया था। इससे पहले भारतीय नौसेना ने अपना युद्धपोत आईएनएस तेग और एक सर्विलांस विमान पी-8 आई को तैनात किया था। नौसेना, ओमान की नौसेना के साथ मिलकर समुद्र में बचाव और राहत अभियान चला रही है।

पैसे के लेन-देन में हुई थी जीतन सहनी की हत्या

पटना। विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) प्रमुख मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी की दरभंगा में हुई नृशंस हत्या का पुलिस ने 36 घंटे में खुलासा कर दिया है। पुलिस ने हत्या के मुख्य आरोपी काजिम अंसारी को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, पैसे के लेन-देन में जीतन सहनी की हत्या की गई थी। दरभंगा में ही रेडिमेड कपड़े की दुकान चलाने वाले अंसारी ने अपने साथियों के साथ जीतन सहनी की हत्या की। पुलिस मुख्यालय के एडीजी जितेंद्र सिंह गंगवार ने बुधवार को बताया कि अंसारी ने अपना आरोप स्वीकार कर लिया है।

समुद्री लहरों में फंसी नाव...तटरक्षक बल ने बचाया

तिरुवनंतपुरम। केरल तट के पास बुधवार को पतवार टूटने के चलते मछली पकड़ने वाली एक भारतीय नाव आशनी समुद्री लहरों में फंस गई। नाव में चालक दल के 11 सदस्य सवार थे। सूचना मिलने पर तटरक्षक बल ने तत्काल कार्रवाई करते हुए नाव समेत सभी सदस्यों को बचा लिया।

लंदन से मुंबई पहुंचा शिवाजी का 'वाघ नख'

मुंबई। छत्रपति शिवाजी महाराज का 'वाघ नख' (धातु का हथियार) बुधवार को लंदन के एक संग्रहालय से मुंबई लाया गया। राज्य के संस्कृति मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने बताया कि 'वाघ नख' को सतारा के संग्रहालय में रखा जाएगा। 19 जुलाई से लोग संग्रहालय में 'वाघ नख' को देख सकेंगे। महाराष्ट्र के मंत्री शंभूराज देसाई ने मंगलवार को कहा था कि 'वाघ नख' का सतारा में भव्य स्वागत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हथियार को लंदन से बुलेटप्रूफ कवर में लाया गया है। इसकी कड़ी सुरक्षा की जा रही है। 'वाघ नख' को सात महीने के लिए सतारा के संग्रहालय में रखा जाएगा। इसके साथ ही सतारा के प्रभारी मंत्री के तौर पर देसाई ने मंगलवार को सतारा के छत्रपति शिवाजी संग्रहालय में सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया।

आतंकियों के खिलाफ सेना का एरिया डोमिनेशन अभियान

आतंकियों के कई ओवरग्राउंड वर्कर और समर्थक गिरफ्तार

एजेंसी | जम्मू

जम्मू कश्मीर में हाल के आतंकी हमलों के बाद डोडा में जम्मू-कश्मीर पुलिस और सेना ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस का कहना है कि कई ओवरग्राउंड वर्करों और आतंकियों के समर्थकों को गिरफ्तार किया गया है। सोमवार को आतंकियों के हमले में सेना के एक कैप्टन सहित पांच जवानों के शहीद होने के बाद सुरक्षा बलों ने कार्रवाई तेज कर दी है। डोडा जिले के देसा इलाके में काउंटर टेररिस्ट ऑपरेशन चल रहा है। बड़ी संख्या में जवान और अर्धसैनिक बल इलाके में सर्च ऑपरेशन और एरिया डोमिनेशन चला रहे हैं। इसके साथ ही सुरक्षा बल आतंकी समर्थक नेटवर्क को निशाना बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। राजौरी-पुंछ सेक्टर के इलाकों में सुरक्षा बल आतंकवादियों के समर्थकों और उनके ओवरग्राउंड वर्करों के खिलाफ समन्वित तरीके से अभियान चला रहे हैं। आतंकी उधमपुर, डोडा, किश्तवाड़ और भद्रवाह जिलों के ऊपरी इलाकों में घुसपैठ कर रहे हैं और उसके बाद कश्मीर घाटी में घुस रहे हैं।

फाइल फोटो

पढ़े-लिखे युवा हो रहे कश्मीर टाइगर्स में भर्ती

संबधित सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक, कश्मीर टाइगर्स में भर्ती स्थानीय आतंकियों में से अधिकांश जिहादी मानसिकता से ग्रस्त पढ़े लिखे युवक हैं। इनमें से कई कथित तौर पर देश के अन्य राज्यों में घूमने या विदेश में पढ़ाई और रोजगार की आड़ में पाकिस्तान स्थित जैश की जिहादी फैक्टरियों का दौरा कर चुके हैं। कश्मीर में सक्रिय रह चुके हरकतुल जिहादे इस्लामी और अल-बदर के कई आतंकी और ओवरग्राउंड वर्कर इसका हिस्सा बन चुके हैं। सुरक्षा एजेंसियों से जुड़े लोगों के अनुसार, कश्मीर टाइगर्स और पीएएफएफ दोनों में सिर्फ नाम का ही अंतर है। दोनों ही जैश-ए-मोहम्मद के हिट स्क्वाड हैं। एक उत्तरी कश्मीर और राजौरी-पुंछ में सक्रिय है और दूसरा मध्य कश्मीर व दक्षिण कश्मीर से लेकर जम्मू प्रांत के डोडा, कठुआ के ऊपरी इलाकों में सक्रिय हो रहा है।

पाकिस्तानी सेना कर रही है मदद

सुरक्षा बलों के सूत्रों ने कहा कि पाकिस्तानी सेना ने क्षेत्र में सक्रिय आतंकी समूहों को हथियार, विशेष बल-प्रशिक्षित कर्मियों और हाई-टेक संचार उपकरणों समेत बड़े पैमाने पर सहायता प्रदान की है। सीमा पार आतंकी ढांचा अभी भी बरकरार है और उनकी तरफ से नियमित रूप से घुसपैठ के प्रयास किए जा रहे हैं। हाल के दिनों में सेना ने उनके कई प्रयास विफल कर दिए थे।

गुफाओं का इस्तेमाल कर रहे हैं आतंकी

जंगल के इलाके में बहुत सारी गुफाएं और कई अन्य छिपने के स्थान हैं जिनका उपयोग आतंकवादी कर रहे हैं। इस क्षेत्र में आतंकी गतिविधियों को देखते हुए हाल के दिनों में कुछ क्षेत्रों को पहले से ही अतिरिक्त सैनिक और कवरेज प्रदान किया गया है।

रिहाई के लिए और बढ़ा इंतजार

केजरीवाल की गिरफ्तारी पर फैसला सुरक्षित, जमानत पर सुनवाई 29 को

एजेंसी | नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को फिलहाल जेल में ही रहना होगा। सीबीआई की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली अरविंद केजरीवाल की याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने फैसला बुधवार को सुरक्षित रख लिया है। जबकि जमानत की याचिका पर 29 जुलाई को सुनवाई होगी। केजरीवाल को ईडी केस में पहले ही सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल चुकी है, लेकिन सीबीआई केस में गिरफ्तारी की वजह से बाहर नहीं निकल पाए हैं। सीएम केजरीवाल ने अपनी गिरफ्तारी को दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी है। केजरीवाल की और से पेश हुए वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि यह गिरफ्तारी एडिशनल 'इंश्योरंस अरेस्ट' है। यह तब है जब सीएम तो तीन बार इस मामले में राहत मिल चुकी है। जस्टिस नीना बंसल कृष्णा की अदालत में बुधवार को लंबी सुनवाई हुई। केजरीवाल की ओर से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी और सीबीआई की तरफ से डीपी सिंह ने कई दलीलें रखीं। जस्टिस कृष्णा ने कहा, गिरफ्तारी पर फैसले के लिए मुझे 7-10 दिन की जरूरत है। जमानत पर 29 जुलाई को बहस होगी। सिंघवी ने गिरफ्तारी की टाइमिंग पर सवाल उठाते हुए उनके खराब स्वास्थ्य का भी हवाला दिया। वहीं, सीबीआई ने गिरफ्तारी को जायज बताते हुए कहा कि जमानत याचिका पर सुनवाई पहले ट्रायल कोर्ट में होनी चाहिए। इसके लिए सीधे हाई कोर्ट में याचिका दायर करना ठीक नहीं है।

नए आपराधिक कानूनों की समीक्षा करेगी ममता सरकार

पैनल गठित, 3 माह में देगा रिपोर्ट

एजेंसी | कोलकाता

पश्चिम बंगाल सरकार देश में एक जुलाई को लागू किए गए नए आपराधिक कानूनों की समीक्षा करेगी। इसके लिए कोलकाता के हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में सात सदस्यीय पैनल बनाया गया है। पैनल को तीन महीने में अपनी रिपोर्ट देनी होगी। देश में एक जुलाई को केंद्र सरकार ने तीन नए आपराधिक कानून लागू किए हैं।पश्चिम बंगाल गृह विभाग ने कहा कि राज्य सरकार ने आपराधिक कानूनों, भारतीय न्याय संहिता 2023 (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 (बीएसए) की समीक्षा के लिए एक समिति गठित की है। हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश अशिम रॉय की अध्यक्षता में गठित पैनल में राज्य के कानून मंत्री मलय घटक और वित्त मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य को शामिल किया गया है। इसकी अधिसूचना मंगलवार को जारी कर दी गई। इसके तहत पैनल को सभी विशेषज्ञों, वरिष्ठ अधिवक्ताओं, अनुसंधान सहायकों और कानून विशेषज्ञों से चर्चा के बाद जरूरी सुझावों के साथ तीन महीने में रिपोर्ट देनी होगी।

ममता ने पीएम को लिखा था पत्र

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 21 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर नए आपराधिक कानूनों को स्थगित करने की अपील की थी। बनर्जी ने कहा था कि नए आपराधिक कानूनों को अभी लागू नहीं किया जाए तो इन कानूनों की नए सिरे से संसदीय समीक्षा संभव होगी। तीन महत्वपूर्ण विधेयकों को एकतरफा पारित किया था और इस पर कोई चर्चा नहीं हुई।

NEET-UG 2024: SC आज करेगा सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट विवादों से घिरी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी 2024 से जुड़ी याचिकाओं पर गुरुवार को सुनवाई करेगा। यह परीक्षा 5 मई को आयोजित की गई थी। सर्वोच्च न्यायालय की वेबसाइट पर 18 जुलाई की अपलोड की गई वाद सूची के अनुसार, मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायाधीश जे बी पारदीवाला और न्यायाधीश मनोज मिश्रा की पीठ 40 से अधिक याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। इनमें राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की याचिका भी शामिल है।

कलेक्टर पर उत्पीड़न का आरोप

पुलिस ने खेडकर को भेजा समन

एजेंसी | पुणे

विवादों में घिरी ट्रेनी आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर को पुणे पुलिस ने पुणे कलेक्टर के खिलाफ उत्पीड़न के आरोपों के संबंध में समन जारी कर गुरुवार को पेश होने और अपना बयान दर्ज कराने को कहा है। पुणे के पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने इसकी पुष्टि की है कि पूजा खेडकर को अपना बयान दर्ज कराने के लिए पुणे आने को कहा गया है।

पुणे के कलेक्टर सुहास दिवसे ने इस बारे में पूछे जाने पर कहा, मुझे अपने खिलाफ ऐसी किसी भी शिकायत के बारे में जानकारी नहीं है। किसी ने भी मुझे इस बारे में नहीं बताया है। मुझे इस शिकायत के बारे में मीडिया की खबरों से ही पता चला है। बता दें कि खेडकर ने मंगलवार को पुणे के जि सुहास दिवसे पर उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए वाशिम पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी।

पूजा खेडकर पर सिविल सेवा में चयन के लिए कथित तौर पर फर्जी दिव्यांगता और ओबीसी प्रमाण पत्र का इस्तेमाल करने के आरोप हैं। इसके अलावा वह प्रशिक्षण के दौरान पुणे कलेक्टर कार्यालय में अपने आचरण के लिए भी वह जांच के दायरे में हैं। इन विवादों के बीच सरकार ने पूजा खेडकर के जिला प्रशिक्षण कार्यक्रम को स्थगित कर दिया है और उन्हें आवश्यक कार्रवाई के लिए लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में लौटने का निर्देश दिया

पेरिस ओलंपिक खेल 26 से

भारत का डॉग स्क्वॉड निभाएगा सुरक्षा में अहम भूमिका

- दो सदस्यीय स्क्वॉड 10 को पेरिस के लिए हुआ था रवाना

एजेंसी | नई दिल्ली

पेरिस ओलंपिक की सुरक्षा जिम्मेदारी 10 एलीट डॉग स्क्वॉड के-9 की टीमें संभालेगी। इसमें इस बार केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की दो एलीट डॉग स्क्वॉड के-9 तैनात होगा। इन्हें विभिन्न स्थानों पर सुरक्षा प्रदान करने के लिए चुना गया था। सीआरपीएफ के दो डॉग स्क्वॉड 10 जुलाई को पेरिस के लिए प्रस्थान किया था। पेरिस ओलंपिक खेल 26 जुलाई से 11 अगस्त तक होंगे। कड़े टेस्ट के बाद भारत की इस एलीट डॉग यूनिट को पेरिस ओलंपिक की सुरक्षा के लिए शॉर्ट लिस्ट किया गया है। वैस्ट और डेनबी को इस काम के लिए चुना गया है। इससे पहले उन्हें सीआरपीएफ के ट्रेनिंग स्कूल में प्रशिक्षण दिया गया था। ये दोनों बेल्जियम शेफर्ड मैलिनोइस हैं। इनकी उम्र 5 और 3 साल बताई जा रही है।

कड़े टेस्ट के बाद हुआ था चयन

आरपीएफ ने अपने बयान में कहा, मैलिनोइस के-9 वैस्ट और डेनबी को सीआरपीएफ के डॉग ब्रीडिंग एंड ट्रेनिंग स्कूल में हुए कई कड़े टेस्ट से गुजरने के बाद इसके लिए चुना गया है। उच्च प्रशिक्षित डॉग ओलंपिक में सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे। डॉग्स की ये टीम विस्फोटक, गोला-बारूद और नशीले पदार्थों का पता लगा सकती है। सीआरपीएफ ने एक बयान में कहा कि दोनों के9 के संचालकों को भी, उनके प्रस्थान से पहले, सख्त टेस्ट से गुजरना पड़ा था।

भारत की तरफ से 117 एथलीट लेंगे हिस्सा

पेरिस ओलंपिक में इस बार भारत की तरफ से 117 एथलीटों का दल हिस्सा ले रहा है। इसमें 140 सहायक कर्मचारी खिलाड़ियों के साथ अलग से यात्रा कर रहे हैं। भारत ने पिछली बार टोक्यो ओलंपिक में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। भारत ने खेलों के महाकुंभ में 7 मेडल जीते थे जिनमें एक गोल्ड और 2 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज थे। पिछली बार ओलंपिक में जैवलीन थ्रो इवेंट में नीरज चोपड़ा ने गोल्ड जीतकर बीजिंग ओलंपिक 2008 के बाद से चले आ रहे गोल्ड के सूखे को भी खत्म कर दिया था। इसके अलावा भारतीय हॉकी टीम ने भी शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने कांस्य पदक जीता था। वहीं, गोला फेंक एथलीट आभा खुटाआ का नाम इसमें शामिल नहीं है। विश्व रैंकिंग के जरिए कोटा हासिल करने वाली आभा खटुआ का नाम हटाने को लेकर कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है। कुछ दिन पहले विश्व एथलेटिक्स की ओलंपिक में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की सूची से उनका नाम हटा दिया गया था।

हाथरस दुखांतिका पर बोले 'भोले बाबा'

होनी को कौन टाल सकता है... जो आया उसे जाना ही है

एजेंसी | हाथरस

यूपी के हाथरस में भगदड़ की घटना के बाद स्वयंभू बाबा सूरजपाल उर्फ हरि नारायण साकार (भोले बाबा) बुधवार को कासगंज स्थित अपने आश्रम पहुंचे। यहां उन्होंने दो जुलाई को हुई भगदड़ की घटना को लेकर कहा कि जो आया है, उसे तो एक न एक दिन जाना ही है। होनी को कौन टाल सकता है। मालूम हो कि हाथरस के सिकंदराराऊ इलाके में दो जुलाई को 'भोले बाबा' का सत्संग था, जिसमें भगदड़ मच गई थी। इस घटना में 121 लोगों की जान चली गई, जबकि कई लोग घायल हो गए थे। नारायण साकर हरि उर्फ 'भोले बाबा' ने कहा, हमारे अधिवक्ता डॉ. एपी सिंह और प्रत्यक्षदर्शियों ने हमें जहरीले स्प्रे के बारे में जो बताया है, उसके अनुसार यह सच है कि इसमें निश्चित रूप से कोई साजिश है। हमारे अनुयायियों को एसआईटी और न्यायिक आयोग पर पूरा भरोसा है कि वे सच्चाई सामने लाएंगे। इस दौरान भोले बाबा के वकील एपी सिंह ने कासगंज में संवाददाताओं से कहा, वह (भोले बाबा) अपने आश्रम पहुंच गए हैं और यहीं रहेंगे। वह कभी किसी के घर, होटल या किसी दूसरे देश में नहीं गए। उन्होंने कहा कि कासगंज बाबा की जन्मस्थली है और वह आखिरी बार 2023 में एक दिन के लिए यहां आए थे और इससे पहले वे 2013 में यहां आए थे।

मंदिर स्थापना दिवस: देव शास्त्र गुरु के साथ निकाली रथ यात्रा, युवाओं को सीख...

प्रतिष्ठा उसी की है जो स्वयं प्रतिष्ठित हो

बेधड़क.जयपुर। जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मंदिर में पांच दिवसीय महोत्सव के अंतिम दिन बुधवार को मुनि समत्व सागर ससंघ के सानिध्य में रथ यात्रा देव शास्त्र गुरु के साथ निकाली गई। इस मौके पर नंदीश्वर भक्ति दीप अर्चना का आयोजन भी किया गया। प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि अभिषेक व रिद्धि मंत्र युक्त शांतिधारा करने का सौभाग्य सुभाष राजेश गर्ग परिवार को तथा बेदी पर शांतिधारा पं. प्रभु लाल परिवार को मिला। इसके बाद पालकी में श्रीजी को जयकारों के मध्य विराजित कर केसरिया धोती दुपट्टे में युवाओं द्वारा मुनि संघ के सानिध्य में आदिनाथ चैत्यालय ज्योति नगर ले जाया गया, जहां से जनकपुरी के लिए रथ यात्रा शुरू हुई।

जगह-जगह मुनि संघ का पाद प्रक्षालन

रथ यात्रा में श्रीजी को लेकर बैठने का सोभाग्य राजकुमार बाकलीवाल परिवार को, सारथी का पं. प्रभु लाल परिवार को तथा कुबेर का जेके जैन परिवार को मिला। इधर रथ में श्रीजी पर चंवर ढुलाने का सौभाग्य मास्टर पारस आदित बिलाला को व महावीर बिंदायक्या को मिला। रथ यात्रा में नगर भ्रमण पर निकले श्रीजी के दर्शन को भक्तों का हुजूम साथ चल रहा था। केसरिया साड़ियों में महिलाओं की लम्बी कतार और उसके पीछे जन समूह के साथ मुनि संघ रथ के आगे आगे चल रहे थे। रास्ते में जगह-जगह मुनि संघ का पाद प्रक्षालन व श्रीजी की आरती उतारी गई। इमली फाटक से मुख्य बाजार होते हुए यात्रा मंदिर पहुंची, जहां झण्डा रोहण ज्ञान चन्द भोंच परिवार ने किया। इसके बाद धर्म सभा हुई, जिसमे मंगलाचरण शकुन्तला बिंदायकया , सुनिता भोंच ने किया। चित्र अनावरण व दीप प्रज्वलन का सोभाग्य दिगंबर जैन महासमिति के तथा धर्म जागृति संस्थान के पदाधिकारियों को मिला। बापू नगर के शांति लाल जी शाह परिवार ने शास्त्र भेंट किया। पाद प्रक्षालन आदि राजकुमार बाकलीवाल परिवार ने किया। मुनि श्री ने बताया कि प्रतिष्ठा उसी की होती है जो स्वयं प्रतिष्ठित होता है। अपनी प्रतिष्ठा अपने आचरण से बनती है। शाम को युवाओं को मुनि श्री ने संबोधन दिया।

फिटनेस कैंप का आयोजन

'फ्रेंडशिप विद द नेचर' का संदेश देगी त्रिमूर्ति मानसून रन

बेधड़क | जयपुर

गुलाबी नगर को फिटनेस फ्रीक बनाने एवं पेड़ों से दोस्ती का ध्येय लेकर त्रिमूर्ति बिल्डर्स और जयपुर रनर्स क्लब के संयुक्त तत्वावधान और बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेज व जीसीएल के सहयोग से 4 अगस्त को कुकस में मानसून रन का 8वां एडिशन आयोजित किया जाएगा।

इसमें रनर्स फ्रेंडशिप विद नेचर का संदेश देंगे। इसके लिए बुधवार को जयपुर रनर्स क्लब के महेश नगर जोन स्थित परशुराम पार्क में प्री-मानसून रन फिटनेस कैंप का आयोजन किया। महेश नगर जोन के डायरेक्टर उमेश सैनी, रचना विजय और सतीश कौशिक के नेतृत्व एवं सुनिल गौड़ के सहयोग से रोहन मिश्रा और प्रदीप यादव ने इस फिटनेस कैंप को लीड किया। जयपुर रनर्स क्लब के कार्यकारी अध्यक्ष दीपक शर्मा बागड़ा ने बताया कि यह आयोजन तीन कैटेगरी में होगा, जिसमें 21 किलोमीटर, 10 किलोमीटर और 5 किलोमीटर की रन में शहर के धावक हिस्सा लेंगे। रवि गोयंका और जयपुर रनर्स क्लब के को-फाउंडर मुकेश मिश्रा ने बताया कि रनर्स दौड़ते हुए रास्ते में पौधों के बीज गिराते हुए आगे बढ़ेंगे, ताकि त्रिमूर्ति मानसून रन का ध्येय 'फ्रेंडशिप विद द नेचर' को पूरा किया जा सके। उन्होंने बताया कि यह आयोजन का आठवां संस्करण है, जिसमें बड़ी संख्या में रनर्स के हिस्सा लेने की उम्मीद की जा रही है।

City इवेंट्स

अजय की 'सन ऑफ सरदार 2' में नहीं होंगी सानाक्षी सिन्हा

बेधड़क | जयपुर

अजय देवगन और संजय दत्त स्टारर फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। दरअसल इस फिल्म से सोनाक्षी सिन्हा का पत्ता कट गया है और फिल्म के सीक्वल में कुब्रा सैत की एंट्री हुई है।

ऐसा पहली बार नहीं है, जब किसी सुपरहिट फिल्म के सीक्वल से बड़े स्टार की छुट्टी हुई हो। सोनाक्षी सिन्हा से पहले अक्षय कुमार, शाहरुख खान समेत जॉन अब्राहम की भी छुट्टी हो चुकी है। बता दें कि यह फिल्म दर्शाकों को खासी पसंद आई थी और इसमें सोनाक्षी सिन्हा और अजय देवगन की कैमिस्ट्री भी जोरदार नजर आई थी। सोनाक्षी का पत्ता क्यों कटा यह तो मेकर्स ही बता सकते हैं, लेकिन इस खबर से सोनाक्षी के फैंस को जोरदार झटका लगा है।

एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला का प्राइवेट वीडियो वायरल

बेधड़क | जयपुर

बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला से जुड़ा एक हैरान कर देने वाला वीडियो सामने आया है। दरअसल एक्ट्रेस का बाथरूम वीडियो ऑनलाइन लीक हो गया है, जिसकी वजह से इंटरनेट पर हंगामा मच गया है। इस वीडियो में बाथरूम में नहाने के लिए अपने कपड़े उतारती नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस के इस निजी वीडियो के सामने के बाद हर कोई हैरान है और लोग उनकी गोपनियता के हनन को लेकर चिंता में आ गए हैं। उर्वशी रौतेला के इस वीडियो को इंस्टेंट बॉलीवुड के इंस्टाग्राम पेज द्वारा शेयर किया गया है। इस वीडियो में देखा जा सकता है उर्वशी रौतेला ने गले में मंगलसूत्र पहना हुआ है, जिसे देखकर लग रहा है कि यह उनकी किसी अपकमिंग फिल्म का सीन है। वीडियो पर एक यूजर ने लिखा, 'ये किसी फिल्म का प्रमोशन लग रहा है।' तो वहीं एक दूसरे यूजर ने लिखा, 'अगर उर्वशी रौतेला का यह वीडियो प्राइवेट है तो फिर आप लोग पोस्ट क्यों कर रहे हो? फिर आपमें और वीडियो बनाने वालों में क्या फर्क रह गया है?' एक और यूजर ने इस पर लिखा है हम लोगों को उल्लू मत बनाओ।' एक और यूजर ने लिखा, 'शर्म आनी चाहिए उन लोगों को जिन्होंने ऐसा किया है।'

इटली में 20 को होगी 'नॉर्थकेप 4000' की शुरुआत

आयरन लेडी रेणु की नजर अब अल्ट्रा साइक्लिंग चैलेंज पर

बेधड़क | जयपुर

जयपुर की 58 वर्षीय आयरन लेडी साइक्लिस्ट रेणु सिंघी अल्ट्रा साइक्लिंग चैलेंज 'नॉर्थकेप—4000' में शामिल होंगी। 4000 किलोमीटर के अनसपोर्टेड बाइसाइक्लिंग एडवेंचर का इस बार यह सातवां संस्करण है, जिसमें विभिन्न देशों के टॉप साइक्लिस्ट भाग ले रहे हैं। इसके प्रतिभागी 20 जुलाई को इटली के रोवरेटो से अपनी राइड की शुरुआत करेंगे।

इस राइड का 4000 किलोमीटर का रूट जर्मनी, डेनमार्क, स्वीडन, फिनलैंड व नॉर्वे सहित सात देशों से होते हुए तय किया गया है। प्रतिभागी को 10 अगस्त या इससे पहले नॉर्वे के नॉर्थकेप पहुंचना होगा। इसे पूरा करने वाले प्रतिभागियों को फिनिशर का सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा। 'नॉर्थकेप—4000' के पूर्व के संस्करणों में भारत से भी कुछ साइक्लिस्ट शामिल हुए हैं और इस बार भी सात प्रतिभागी भाग ले रहे हैं, लेकिन अभी तक कोई भी भारतीय महिला इस राइड को फिनिश करने में कामयाब नहीं हो पाई है। ऐसे में इस राइड में पहली बार पार्टिसिपेट कर रही और साइक्लिंग में कई उपलब्धियां अपने नाम कर चुकीं रेणु सिंघी के सामने इतिहास बनाने का अवसर होगा। रेणु सिंघी 'लंदन-एडिनबर्ग-लंदन 2022' करने वाली एकमात्र भारतीय महिला हैं और लगातार 11 बार एसआर का स्टेटस हासिल कर चुकी हैं। साइक्लिंग ग्रुप में उन्हें आयरन लेडी के रूप में जाना जाता है।

'कम्यूनिटी ऑफ ड्रीमर्स' ने प्रदान किया मंच

'द शॉप' से लघु व्यवसाइयों व स्थानीय कला को प्रोत्साहन

बेधड़क | जयपुर

जयपुर के आर्टीजंस, शिल्पकारों, उद्यमियों और लघु व्यवसायों को अब एक ही छत के नीचे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के साथ-साथ अपने व्यवसायों के विकास और बढ़ावा देने के लिए 'कम्यूनिटी ऑफ ड्रीमर्स' द्वारा एक मंच प्रदान किया जा रहा है। पीलवा गार्डन स्थित यह 'कम्यूनिटी ऑफ ड्रीमर्स- द शॉप' एक अनूठा कॉन्सेप्ट स्टोर है। इस स्टोर की घोषणा के लिए बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया जिसमें 'कम्यूनिटी ऑफ ड्रीमर्स' की फाउंडर्स, कल्पना पीलवा और संध्या दिलीप और संरक्षक सुधीर माथुर ने संबोधित किया। इस दौरान 'कम्यूनिटी ऑफ ड्रीमर्स- द शॉप' का पोस्टर भी लॉन्च किया गया। फाउंडर्स कल्पना पीलवा और संध्या दिलीप ने बताया कि इस स्टोर के पीछे का उद्देश्य छोटे उद्यमियों, व्यवसायों, एनजीओ (दिशा, उमंग आदि) और शिल्पकारों को एक गतिशील और सहायक वातावरण प्रदान करना है, जहां उनकी रचनात्मकता और व्यापार वृद्धि कर सके और उन्हें न सिर्फ स्थानीय स्तर पर बल्कि वैश्विक स्तर पर भी अवसर और पहचान मिल सके। हमारा मिशन स्थानीय प्रतिभाओं और छोटे उद्यमों को व्यावसायिक अवसर, मजबूत ब्रांड बिल्डिंग और विजिबिलिटी प्रदान करते हुए सशक्त बनाना है। सुधीर माथुर ने बताया कि यहां करीब 24 स्थानीय ब्रांड्स, एनजीओ, शिल्पकार और उद्यमी अपनी कला और प्रोडक्ट्स का प्रदर्शन करेंगे।

सिनेमा रूढ़िवादी परंपराओं पर प्रहार करती राजस्थानी फिल्म के पहले पार्ट को मिला था अच्छा रिस्पांस

तांडव का बनेगा सीक्वल, फोटो शूट के साथ मूवी अनाउंस

बेधड़क | जयपुर

बॉलीवुड और साउथ फिल्म इंडस्ट्री में इन दिनों हिट मूवीज का सीक्वल बनाने का जोरदार ट्रेंड चल रहा है। अब यही ट्रेंड राजस्थानी सिनेमा में भी शुरू होने जा रहा है।

निर्माता नंदिकशोर मित्तल और लखविंदर सिंह अपनी राजस्थानी फिल्म तांडव का दूसरा पार्ट बनाने जा रहे हैं। इसका अनाउंस मेकर्स ने फोटोशूट के साथ किया। इसके साथ ही मूवी की कास्ट भी रिवील की। पहले पार्ट में अंदाज खान, नेहा श्री, परी शर्मा, सिकंदर चौहान, राज जांगिड़ और बलवीर सिंह राठौड़ मुख्य भूमिकाओं में थे। दूसरे पार्ट में मैन कास्ट के साथ ही कुछ नए आर्टिस्ट भी जोड़े गए हैं।

एनके मित्तल एंड एलएस फिल्म्स के बैनर तले बनने वाली यह मूवी जल्द ही फ्लोर पर जाएगी। तांडव टू का आगाज प्रोड्यूसर एन के मित्तल और डायरेक्टर लखविंदर सिंह और उनकी टीम ने केक काटकर बनी पार्क के एक होटल में मूवी के सीक्वल के अनाउंस की खुशी सेलेब्रेट की। इस दौरान मूवी से जुड़े कलाकारों का लुक टेस्ट करने के लिए फोटो शूट भी किया गया।

ये कलाकार करेंगे अभिनय

राजस्थान की रूढ़िवादी परंपराओं पर प्रहार करती तांडव 2 में अंदाज़ खान, नेहा श्री, त्रिलोक नौलखा, सिकंदर चौहान, माही कटारिया, शकूर कमेरा, सचिन चौबे, रितु कावट, राजवीर पोसवाल, विनय देव गौतम, इशिका जैन, प्रिया राजपूत, प्रेमा राठौड़, जफर एजाज, राज चौबे, रितु शर्मा, पवन भगत, सुनील नाटाणी, राहुल कावट, आदित्य शर्मा, रिकी सेठ, मुकेश भारद्वाज और वीर राठौर अभिनय कौशल दिखाएंगे।

दस साल बाद बन रहा है सीक्वल

तांडव मूवी का दूसरा पार्ट इसके रिलीज होने के करीब दस साल बाद अनाउंस किया गया है। यह मूवी 2014 में रिलीज हुई थी और अब 2024 चल रहा है। ऐसे में इस दस साल के पीरियड में जहां मेकर्स की टीम भी टेक्निकल रूप से मजबूत हुई है, वहीं इसकी कास्ट भी अभिनय में परिपक्व हुई ही तो सीक्वल के पहले पार्ट से भी बेहतर होने की उम्मीद की जा सकती है।

2017 में किया गया दुबारा रिलीज

एक और खास बात इस मूवी की रही कि इसे री रिलीज किया गया। दोबारा फिल्म 2017 में 14 अप्रैल को प्रदर्शित हुई और वह भी राजमंदिर में। इस दौरान मेकर्स की ओर से टिकट के साथ उपहार योजना भी शुरू की थी, जिसका भी मूवी को अच्छा फायदा मिला था।

पोस्टल रजि. नं. : जयपुर सिटी/006/2023-25

न्यूज़ बेधड़क

सच बेधड़क

जयपुर, गुरुवार, 18 जुलाई, 2024

10

हमारा अस्तित्व हमारे कर्म से है
किसी के नज़रिए से नहीं।
विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ,
सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

गाजा पर इजराइल के हवाई हमले जारी... शरणार्थी शिविरों पर हो रही बमबारी

अब स्कूल पर एयरस्ट्राइक

एजेंसी | तेल अवीव

इजराइली सेना ने मंगलवार को गाजा में एक स्कूल पर एयरस्ट्राइक की। जिसमें 57 की मौत हो गई और 73 से ज्यादा लोग घायल हो गए। न्यूज एजेंसी AP के मुताबिक ये स्कूल संयुक्त राष्ट्र (UN) का था, जिसमें शरणार्थियों को रखा गया था। ये 15 दिन में इस तरह का तीसरा हमला है।

गाजा के खान यूनुस में नासिर अस्पताल घायलों से भर चुका है। पिछले हफ्ते ही इजराइली सेना ने फिलिस्तीनियों को खान यूनिस को खाली करने का आदेश दिया था। फिर, वहां 3 बड़े अस्पताल बंद करने पड़े। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि खान यूनिस से लोगों को निकालने के लिए और ज्यादा समय देने चाहिए। इस दौरान इजराइल शरणार्थियों पर हमला नहीं करे। इजराने 6 जून को बताया था कि उसने गाजा के स्कूलों पर तीन हमले किए गए थे।

57 मौत

73 से ज्यादा लोग घायल

एक हफ्ते पहले किया था संयुक्त राष्ट्र संघ के स्कूल पर हमला

इजराइली सेना ने 6 जुलाई को बताया कि उसने गाजा में एक स्कूल पर एयरस्ट्राइक की थी। इसमें 16 लोगों की मौत हो गई और 75 से ज्यादा घायल हो गए थे। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक ये स्कूल संयुक्त राष्ट्र (UN) का था, जहां शरणार्थियों को रखा गया था। स्थानीय लोगों के मुताबिक इजराइली सेना ने स्कूल को चारों ओर से घेर हमला किया था। इस हमले से स्कूल भवन नीचे ढह गया, जिसमें रह रहे बच्चे दब गए। स्थानीय लोग ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। जिसमें दो बच्चों को बचा लिया था, उसमें से एक बच्ची की हाथ में गंभीर चोट आई थी। वहीं दूसरे बच्चे के चेहरा और सिर पर कई चोट के निशान थे। UN की रेस्क्यू टीम के मुताबिक पिछले महीने भी इजराइली सेना ने एक स्कूल को निशाना बनाया था।

जंग में 38 हजार की मौत

इजराइल-हमास जंग के बीच पिछले 9 महीने से जंग जारी है। इसमें अब तक 38 हजार फिलिस्तीनियों की मौत हो चुकी है, इनमें 14,500 बच्चे शामिल हैं। वहीं गाजा के करीब 80% लोग बेघर हो गए। यह जंग अब मिस्र बॉर्डर के करीब गाजा के राफा शहर पहुंच गई है।

हमास की 24 बटालियन की खत्म

दरअसल, जंग की शुरुआत में इजराइल की कार्रवाई से बचते हुए लोगों ने उत्तरी गाजा छोड़कर रफाह में शरण ली थी। मीडिया के मुताबिक इस इलाके में 10 लाख से ज्यादा लोग रहते हैं। अब इजराइल की सेना यहां भी हमले की योजना बना रही है। इजराइल का तर्क है कि उसने अब तक हमास की 24 बटालियन को खत्म कर दिया है। लेकिन अब भी 4 बटालियन राफा में छिपी हुई हैं। इनके खात्मे के लिए राफा में ऑपरेशन चलाना जरूरी है।

ट्रंप और पुतिन में जबरदस्त कनेक्शन, भारतवंशी नेता का दावा

ट्रंप से डरते हैं रूसी राष्ट्रपति पुतिन: हेली

एजेंसी | वाशिंगटन

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव को लेकर बयानबाजी शिखर पर पहुंचने लगी हैं। हाल ही में रिपब्लिकन उम्मीदवार और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर जानलेवा हमला हुआ था, जिसके बाद ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि उन्हें जनता का भारी समर्थन मिल सकता है। इस बीच चुनाव को लेकर बयानबाजी अलग ही स्तर पर पहुंच गई है।

भारतवंशी नेता और रिपब्लिकन पार्टी की नेता निक्की हेली ने ट्रंप की तारीफ में जमकर शेखी बघारी। उन्होंने अजीबोगरीब दावे में कहा कि पुतिन ट्रंप से डरते हैं और यही वजह है कि उनके राष्ट्रपति रहते पुतिन एकदम शांत रहे, जबकि बाइडेन के सत्ता में आते ही पुतिन के मन से डर निकल गया और उन्होंने यूक्रेन पर हमला बोल दिया।

भारतीय-अमेरिकी रिपब्लिकन नेता निक्की हेली ने डोनाल्ड ट्रंप के समर्थन में एक रैली को संबोधित किया। उन्होंने दावा किया कि ट्रंप ने खुद को साबित किया है कि वो एक "मजबूत राष्ट्रपति" हैं और इसी खूबी के चलते वो ट्रंप को अपना समर्थन दे रही हैं।

ईरान कर रहा था ट्रंप की हत्या की साजिश?

ट्रंप पर हमले के मामले में एक बड़ी खबर सामने आ रही है। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारियों के मुताबिक ट्रंप की हत्या की कोशिश से कुछ हफ्ते पहले ही एक खुफिया जानकारी मिली थी। इस जानकारी में जिक्र था कि ईरान ट्रंप की हत्या की साजिश कर रहा है। इसके बाद ट्रंप की सुरक्षा भी बढ़ा दी गई थी। यह कहा है कि ईरानी साजिश और शनिवार को ट्रंप की गोली चलाने वाले 20 वर्षीय शख्स के बीच किसी कनेक्शन का पता अभी तक नहीं चल पाया है। एक राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारी ने पुष्टि की है कि अमेरिकी सीक्रेट सर्विस और ट्रंप के अभियान से जुड़े लोगों को ईरानी खतरे के बारे में बताया गया था।

ट्रंप के कार्यकाल में चुप रहता था रूस

हेली ने कहा कि ट्रंप के कार्यकाल के दौरान रूस ने कोई आक्रमण या युद्ध नहीं करने का फैसला किया। रिपब्लिकन पार्टी द्वारा ट्रंप को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित किए जाने के कुछ घंटों बाद निक्की हेली ने ट्रंप की तारीफ में जमकर शेखी बघारी है। उन्होंने ट्रंप को एक कठोर नेता बताया और दावा किया कि उनके कार्यकाल के दौरान हर ओर शांति ही शांति थी।

बांग्लादेश में आरक्षण के खिलाफ उग्र प्रदर्शन

यूनिवर्सिटीज बंद, अब तक 6 की मौत

ढाका। बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण के प्रावधान में सुधार की मांग को लेकर किए जा रहे विरोध प्रदर्शनों में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई है। इसके बाद बुधवार को ढाका विश्वविद्यालय को अनिश्चितकाल के लिए बंद करने की घोषणा की गई है। अधिकारियों ने छात्रों को शाम छह बजे तक छात्रावास खाली करने के निर्देश दिए हैं। मीडिया ने वाइस चांसलर प्रो. सीतेश सी बाचर के हवाले से बताया है कि यह फैसला चांसलर एएसएम मकसूद कमाल के कार्यालय में एक आपात बैठक में लिया गया है।

बाचर ने कहा, 'छात्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हमने विश्वविद्यालय को अनिश्चित काल के लिए बंद करने और हॉस्टल खाली कराने का फैसला किया है।' यूनिवर्सिटी के छात्र इस फैसले का विरोध कर रहे हैं और उन्होंने चांसलर के आवास का घेराव भी किया। सरकारी नौकरियों में आरक्षण प्रणाली में सुधार की मांग को लेकर बांग्लादेश के प्रमुख शहरों में प्रदर्शन कर रहे लोगों और पुलिस के बीच हुई झड़प में मंगलवार को तीन विद्यार्थियों सहित कम से कम छह लोगों की मौत हो गई है। यह झड़प सोमवार को तब शुरू हुई जब सत्तारूढ़ अवामी लीग के छात्र मोर्चे के कार्यकर्ता प्रदर्शनकारियों के आमने सामने आ गए। आरक्षण प्रणाली के तहत 1971 में बांग्लादेश की आजादी की लड़ाई में शामिल सैनिकों के बच्चों और पोते-पोतियों के लिए 30 फीसदी नौकरियां आरक्षित है।

थाईलैंड पुलिस का बड़ा खुलासा

कप में साइनाइड! होटल में 6 की मौत

एजेंसी | बैंकॉक

थाईलैंड के एक आलीशान होटल के कमरे में छह विदेशी नागरिकों की मौत के मामले में पुलिस ने बड़ा दावा किया है। पुलिस के मुताबिक सभी की मौत की मौत सायनाइड मिले ड्रिंक के कारण हुई। रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस को शक है कि मृतकों में से एक ने ही जहर देकर यह हत्या की है और वह भारी कर्ज में फंसा हुआ था।

बता दें, मंगलवार देर रात बैंकॉक के ग्रैंड हयात एरावन होटल में हाउस कीपर्स ने छह लोगों को मृत पाया गया। जांचकर्ताओं का मानना है कि तब उन्हें मरे हुए 24 घंटे गुजर चुके थे। अधिकारियों ने बताया कि छह में से दो लोगों ने निवेश के मकसद से मृतकों में से एक को 'करोड़ों थाई बहत उधार दिए थे।

पीएम ने किया होटल का दौरा

थाईलैंड के प्रधानमंत्री श्रीथा थाविसिन ने मंगलवार को होटल का दौरा किया और मामले की तत्काल जांच के आदेश दिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह एक 'निजी मामला' है, जिसका राष्ट्रीय सुरक्षा से कोई संबंध नहीं है। अब इस बात की स्पष्ट तस्वीर उभर रही है कि कमरे में क्या हुआ होगा। ग्रुप ने वीकेंड में अलग-अलग होटल में चेक इन किया था और उन्हें पांच कमरे आवंटित किए गए थे। मृतकों में दो यूएस नागरिक हैं।

कमरे में क्या हुआ था!

पुलिस का कहना है कि सोमवार दोपहर को सभी छह पीड़ित पांचवीं मंजिल पर स्थित कमरे में इक्ट्ठे हुए। उन्होंने खाने और चाय का ऑर्डर दिया, जिसे स्थानीय समयानुसार लगभग 14:00 बजे (08:00 BST) कमरे में पहुंचाया गया और इसे चोंग ने प्राप्त किया - जो उस समय कमरे में एकमात्र व्यक्ति थीं। उप पुलिस प्रमुख के अनुसार एक वेटर ने मेहमानों के लिए चाय बनाने की पेशकश की, लेकिन चोंग ने इसे अस्वीकार कर दिया। बाद में वेटर कमरे से चला गया।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl